बालमन

Powered by Teachers of Bihar

वर्ष 2024

माह फरवरी

अंक 26

प्रधान संपादक :-धीरज कुमार [U.M.S. सिलौटा , भभुआ (कैमूर)]

Dheeraj Kumar- +91 9431680675

Teachers of Bihar - +91 7250818080

info@teachersofbihar.org | teachersofbihar@gmail.com

wwww.teachersofbihar.org

कार्यालय जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर (भभुआ)

शिक्षा भवन, भागीरथी मुक्ताकाश मंच भभुआ,

(मो०-8544411411 email-deokaimur.edn@gmail.com)

"शुभकामना संदेश"

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि विद्यालय के छात्र/छात्राओं को जागरूक बनाने तथा प्रतिभावान बच्चों के प्रतिभा का प्रदर्शन विभिन्न स्तर पर करने के उद्देश्य से "**बाल मन कैमूर**" पत्रिका का मासिक प्रकाशन किया जा रहा है।

इस प्रकार के प्रकाशन, बच्चों के सृजनात्मक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए मार्ग प्रशस्त होगा।

आशा है कि इस पत्रिका से बच्चे, शिक्षक एवं समाज में साकारात्मक सोंच विकसित होगा।

मैं सुमन शर्मा, जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर इस उपयोगी लेखन के लिए बधाई देते हुए "**बाल मन कैमूर**" के प्रकाशन की सफलता हेतु अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

(सुमन शर्मा)
जिला शिक्षा पदाधिकारी
कैमूर (भभुआ)

सम्पादकीय

प्यारे बच्चों,
नमस्कार

किस्मत के पन्ने वही पलटते हैं जो मेहनत करते है और अपनी प्रतिभा को आगे बढ़ाने हेतु निरंतर गतिशील होते है। आप सभी जिस तरह से बालमन से जुड़ कर अपनी प्रतिभा और कला को हम तक पहुंचाते हैं,राज्य स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर पर सभी को पसंद आ रही है। धीरे -धीरे आपकी प्रतिभा मे भी निखार आ रहा है। हमे अपार खुशी के साथ कहना हैं कि टीचर्स ऑफ बिहार के पांच वर्ष और बालमन के दो वर्ष पूरे होने पर आयोजित टैलेंट हंट कॉम्पिटिशन में आप सभी ने बहुत अधिक भागीदारी दी है।

बच्चो !दिन - प्रतिदिन बालमन टीम द्वारा प्राप्त पोस्ट से आपके उत्साह को देख कर मुझे बहुत खुशी हो रही है। पत्रिका के इस अंक को आपको समर्पित करते हुए हमे बहुत खुशी हो रही है। आज का जमाना सोशल मीडिया का है।यदि आपके पास कला है तो उसे अपने शिक्षको से जरूर साझा करे और बालमन की टीम के माध्यम से उसे जरूर हम तक जरूर पहुंचाए।इसके साथ ही मासिक टैलेंट सर्च प्रतियोगिता में शामिल होने के लिएआप सभी को धन्यवाद।

हमारी TOB बाल मन कैमूर पत्रिका की टीम बेहतर से बेहतर करने के लिए सदा प्रयत्नशील है।अनजाने में कोई भूल या त्रुटि हुई हो तो उसके लिए हम क्षमाप्रार्थी है।हम आपके उज्जवल भविष्य की कामना करते है।

आपका
धीरज कुमार
उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा
भभुआ(कैमूर)
मो . 9431680675

TEACHERS OF BIHAR

बालमन

सहयोगी सदस्य

माह : दिसम्बर

बालमन चांद प्रधान संपादक : प्रमोद कुमार "निराला"
(कन्या मध्य विद्यालय चांद)

बालमन कुदरा प्रधान संपादक : कमलेश कुमार
(U.H.S. हरदासपुर , कुदरा)

विज्ञान कॉर्नर: राजेश कुमार सिंह
(महाबल भृंगनाथ +2 उच्च माध्यमिक विद्यालय कोरिगांवा बहेरा ,भभुआ)

दर्शनीय स्थल सह रोचक गणित : कुमार राकेश मणि
(UHS कोटा, नुआंव)

शिक्षण अधिगम सामग्री : अवधेश राम
(UMS बहुआरा, भभुआ)

Teachers of Bihar

बालमन

अनमोल विचार

धैर्य का छोटा हिस्सा भी एक टन उपदेश से बेहतर है।

महात्मा गांधी

आत्मसम्मान इंसान का सबसे बड़ा गहना होता है।

सरोजिनी नायडू

(भारत की पहली महिला राज्यपाल)

जन्म: 13 फरवरी 1879 मृत्यु: 02 मार्च 1949

राकेश कुमार

बिहार राज्य प्रार्थना गीत

मेरी रफ्तार पे सूरज की किरण नाज करे
ऐसी परवाज दे मालिक कि गगन नाज करे
वो नजर दे कि करूँ कद्र हरेक मजहब की
वो मुहब्बत दे मुझे अमनो अमन नाज करे
मेरी खुशबू से महक जाये ये दुनिया मालिक
मुझको वो फूल बना सारा चमन नाज करे
इल्म कुछ ऐसा दे मैं काम सबों के आऊँ
हौसला ऐसा हीं दे गंग जमन नाज करे
आधे रस्ते पे न रूक जाये मुसाफिर के कदम
शौक मंजिल का हो इतना कि थकन नाज करे
दीप से दीप जलायें कि चमक उठे बिहार
ऐसी खूबी दे ऐ मालिक कि वतन नाज करे
जय बिहार जय बिहार जय जय जय जय बिहार

एम. आर. चिश्ती

www.teachersofbihar.org

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार, तुझको शत-शत वंदन बिहार
तू वाल्मीकि की रामायण, तू वैशाली का लोकतंत्र
तू बोधिसत्व की करूणा है, तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप, तू हीं अक्षत चंदन बिहार
तू है अशोक की धर्मध्वजा, तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह, तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि, धरती का नंदन वन बिहार
तेरी गौरव गाथा अपूर्व, तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान, अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक,
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार,
मेरे भारत के कंठहार

• सत्यनारायण

टीचर्स ऑफ बिहार गीत

एम आर चिश्ती

चांद तारों को साथ लाएंगे,
हम बहारों को साथ लाएंगे।

जैसे आती नहीं नज़र दुनिया,
हम बनाएंगे वो हंसी दुनिया,
हौसला और अपनी मंजिल से,
सब नजारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे...

प्रेम की रोशनी जो बिखेरेगी
और प्रतिभा सबकी निखेरेगी,
खींच लेंगे गगन से इंद्रधनुष
बहते धारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे...

हम हैं निर्माता अपने भारत के,
पूरे करने हैं सपने भारत के
हम कलम के वही सिपाही है
जो हजारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे....

हमने माना, टीचर्स ऑफ़ बिहार
दीप ऐसा जलाएगा इस बार,
हम नवाचारी शिक्षा की रह में
बेसहारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे...

www.teachersofbihar.org

TEACHERS OF BIHAR

बालमन प्रेरक प्रसंग

फरवरी 2024

सत्संग

चित्रांगद, जो मगध के राजा थे,वे अपने प्रजा का विशेष ख्याल रखते थे।उन्होंने अपने राज्य में अनेक चिकित्सालय, विद्यालय, और अनाथालयों का निर्माण करवाया ताकि कोई भी व्यक्ति शिक्षा, चिकित्सा और आश्रय से वंचित ना रहे।

एक दिन अपनी प्रजा के सुख-दुःख का पता लगाने के लिए वे अपने मंत्री के साथ दौरे पर निकले, उन्होंने गाव, शहर और खेतों का भ्रमण करके विभिन्न प्रकार की समस्याओं को जाना।राजा ने सभी को आश्वासन दिलाया की उनकी चिंताओं और समस्याओं का जल्द से जल्द निदान किया जायेगा।

एक दिन राजा किसी जंगल से गुजर रहे थे तब उनको एक तेजस्वी संत से मिलने का मौका मिला ।संत एक छोटी सी कुटिया में रहते थे और छात्रों को पढ़ाते हुए सादगी पूर्ण जीवन व्यतीत करते थे।

राजा ने संत को सोने की मोहरें भेट करनी चाही, संत ने राजा से कहा – राजन.... हम इसका क्या करेंगें? इसे आप गरीबों में बाट दीजिये। राजा ने जानना चाहा कि आश्रम में धन की आपूर्ति कैसे होती है?

संत बोले – हम स्वर्ण रसायन से ताम्बें की वस्तुओं को सोना बना देते हैं।राजा आश्चर्य में पड़ गया ।उसने कहा – अगर आप वह दिव्य रसायन मुझे उपलब्ध करा दें तो मै राज्य को वैभवशाली बना सकता हूँ।

संत ने कहा – इसके लिए आपको एक माह तक हमारे साथ सत्संग करना होगा, तभी स्वर्ण रसायन बनाने का तरीका आपको बताया जायेगा।

राजन लगातार सत्संग पर आते रहे.... जब एक माह बीत गया तब एक दिन संत ने कहा – राजन अब आप स्वर्ण रसायन बनाने का तरीका जान लीजिये।

राजा बोले – गुरुदेव, अब मुझे स्वर्ण रसायन की आवश्यकता नहीं है, आपने मेरे हृदय को ही अमृत रसायन बना डाला है।

सीख : - सत्संग से हमेसा ज्ञान के नए-नए दरवाजे खुलते हैं.

सोशल मीडिया से

पद्य पंकज

यम आएगा लेने जब, तब खूब चलूंगा पी हाला
पीड़ा, संकट, कष्ट नरक के क्या समझेगा मतवाला
क्रूर, कठोर, कुटिल, कुविचारी, अन्यायी यमराजों के
डंडों की जब मार पड़ेगी, आड़ करेगी मधुशाला

हरिवंशराय बच्चन

Madhu Priya

www.padyapankaj.teachersofbihar.org

Teachers of Bihar

बालमन

मन की बात

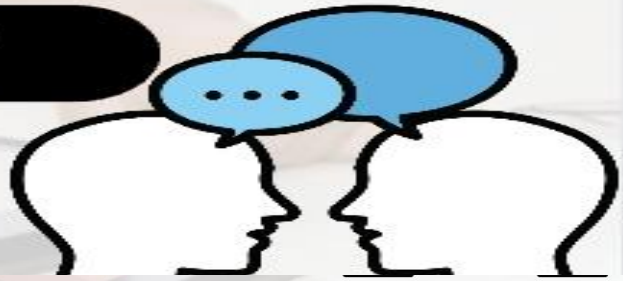

बच्चों के लिए बहुत सारी पत्रिकाएं प्रकाशित होती है,फिर भी जितने सार्थक और सराहनीय रूप से लगातार टीचर्स ऑफ बिहार बालमन पत्रिका प्रकाशित हो रही है वो समाज में गरीब परिवार के बच्चो को आगे बढ़ाने और उनकी प्रतिभा को समय -समय आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित भी कर रहे हैं ।इस पत्रिका के निर्माण में जुड़े सभी सदस्यों को बहुत बहुत धन्यवाद।

नाम : धीरज कांत (शिक्षक)
विद्यालय : उर्दू प्राथमिक विद्यालय करवंदिया चांद (कैमूर)

हम लोगों को ToB बालमन पत्रिका का आने का इंतजार रहता है। हम सभी के द्वारा बनाई गई कलाकृति को जब बालमन पत्रिका में स्थान मिलता है तो हमे बहुत खुशी मिलती है।बालमन द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं में भी हम विभिन्न प्रकार के कलाकृति का निर्माण करते हैं जिसके लिए चयनित होने पर हमे सम्मान भी प्राप्त होता है। इस पत्रिका से हमे बहुत अच्छी -अच्छी जानकारी भी प्राप्त होती हैं।

सुमन कुमारी
वर्ग 7
उत्क्रमित मध्य विद्यालय दुघरा(भभुआ)कैमूर
सौजन्य से: खुशबू कुमारी (शिक्षिका)

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

बालमन

टीचर्स ऑफ बिहार बालमन की कलम से...

इस धरती पर जन्म लेने वाले प्रत्येक बच्चों में कुछ न कुछ विशेष प्रतिभा जरूर होती हैं। हम ये भी कह सकते है की हर बच्चे कलाकार होते हैं। घर के आंगनरूपी विद्यालय से माता-पिता और अभिभावकों के बीच बच्चें अपनी कला प्रदर्शन करते हैं। विद्यालय में भी बच्चें अपने मार्गदर्शक शिक्षको के सानिध्य में अपनी कला को प्रदर्शित करते हैं।

बालमन क्या हैं ?

सरकारी विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों की प्रतिभा और कलाकारी केवल विद्यालयों तक सीमित न रहते हुए राज्य स्तर और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाए,इसी उद्देश्य से बच्चों के मन में कला के प्रति उत्पन्न सोच को विभिन्न रूपों में एक जगह संग्रहित कर सम्मानित सह प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से टीचर्स ऑफ बिहार के सौजन्य से बालमन पत्रिका की शुरुआत की गई। बालमन पत्रिका बच्चों के लिए एक प्लेटफॉर्म है जिसके माध्यम से दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चें उत्साहपूर्वक अपनी कला का प्रदर्शन करते है और अपनी कला और प्रतिभा के लिए बालमन द्वारा सम्मानित भी होते हैं। बालमन पत्रिका राज्य स्तर, जिला स्तर,प्रखंड,स्तर,संकुल स्तर और विद्यालय स्तर पर भी बच्चों के लिए बहुत उपयोगी,ज्ञानवर्धक और रोचक ज्ञान से परिपूर्ण एक मासिक e - पत्रिका है।

www.teachersofbihar.org/publication/balman

30 सेकंड में 5 अंतर खोजे

आप तैयार है न.....

मां

मां

अमरेन्द्र कुमार

सुंदरवन राष्ट्रीय उद्यान

सुंदरवन राष्ट्रीय उद्यान भारत के पश्चिम बंगाल राज्य के दक्षिणी भाग में गंगा नदी के सुंदरवन डेल्टा क्षेत्र में स्थित एक राष्ट्रीय उद्यान, बाघ संरक्षित क्षेत्र एवं बायोस्फ़ीयर रिज़र्व क्षेत्र है। यह क्षेत्र मैन्ग्रोव के घने जंगलों से घिरा हुआ है और रॉयल बंगाल टाइगर का सबसे बड़ा संरक्षित क्षेत्र है। यह विश्व का एकमात्र नदी डेल्टा है जहां बाघ पाए जाते हैं। हाल के अध्ययनों से पता चला है कि इस राष्ट्रीय उद्यान में बाघों की संख्या **103** है। यहां पक्षियों, सरीसृपों तथा रीढ़विहीन जीवों (इन्वर्टीब्रेट्स) की कई प्रजातियाँ भी पायी जाती हैं। इनके साथ ही यहाँ खारे पानी के मगरमच्छ भी मिलते हैं। वर्तमान सुंदरवन राष्ट्रीय उद्यान **1973** में मूल सुंदरवन बाघ रिज़र्व क्षेत्र का कोर क्षेत्र तथा **1977** में वन्य जीव अभयारण्य घोषित हुआ था। **4** मई **1984** को इसे राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया था।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar

स्कॉटलैंड में पटना नाम का एक गाँव है जिसका नाम बिहार की राजधानी पटना के नाम पर रखा गया था। इसकी जनसंख्या 2000 है और इसकी स्थापना 1802 में हुई थी।

ToB बालमन कलाकार

भाग - 1

UHS Narahan,ramgarh
kaimur

प्राथमिक विद्यालय फुलवारीशरीफ पटना

UHS कोटा, नुआंव
कैमूर

Vivek sharma ,class 6
UMS PADHI, CHAND
KAIMUR

UMS बरना
कुदरा, कैमूर

उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा, भभुआ, कैमूर

ToB बालमन कलाकार भाग 2

UHS NARHAN, RAMGARH (KAIMUR)

नाजिया वर्ग 5 के द्वारा क्ले से बनाया गया गुलाब। उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा भभुआ, कैमूर

UHS NARHAN, RAMGARH

UHS हरदासपुर, कुदरा, कैमूर

ToB बालमन नन्हें कलाकार भाग 3

UMS बरना, कुदरा कैमूर

P.s.Bhewar,chand Kaimur

बालमंच से

ToB बालमन कलाकार भाग 4

प्राथमिक विद्यालय फुलवारी शरीफ, पटना

UHS BHARARI, CHAND, KAIMUR

UMS बंसही , चांद, कैमूर

ToB बालमन कलाकार भाग 5

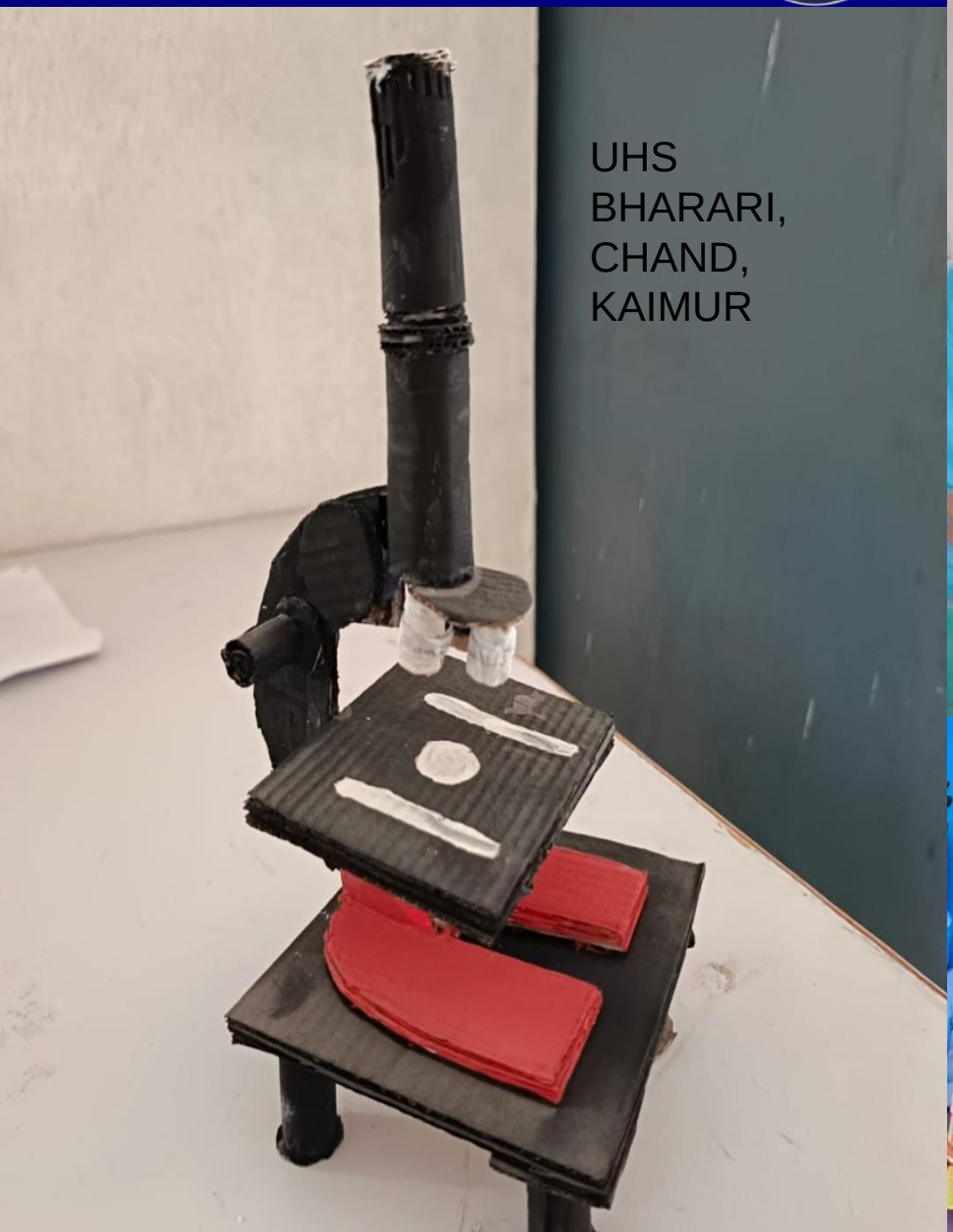

महर्षि दयानंद सरस्वती

जन्म- 12 फरवरी 1824

मृत्यु- 30 अक्टूबर 1883

Madhu priya

www.teachersofbihar.org

कुछ ख़ास कुछ अलग

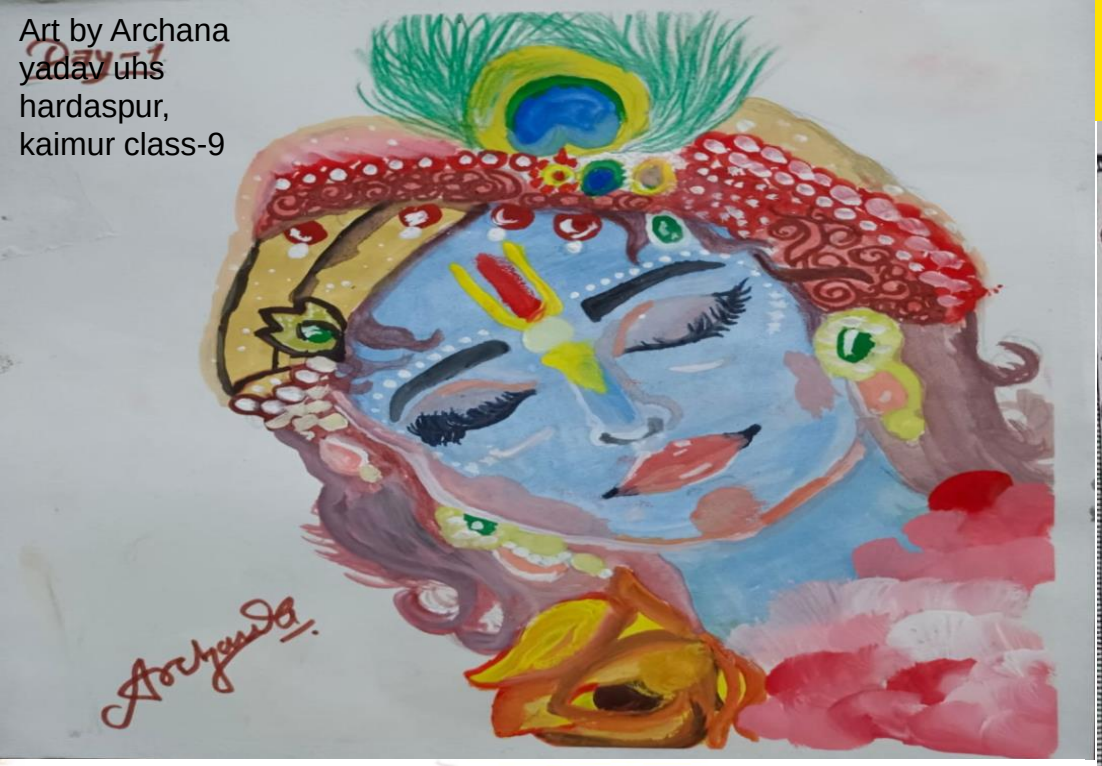

Art by Archana yadav uhs hardaspur, kaimur class-9

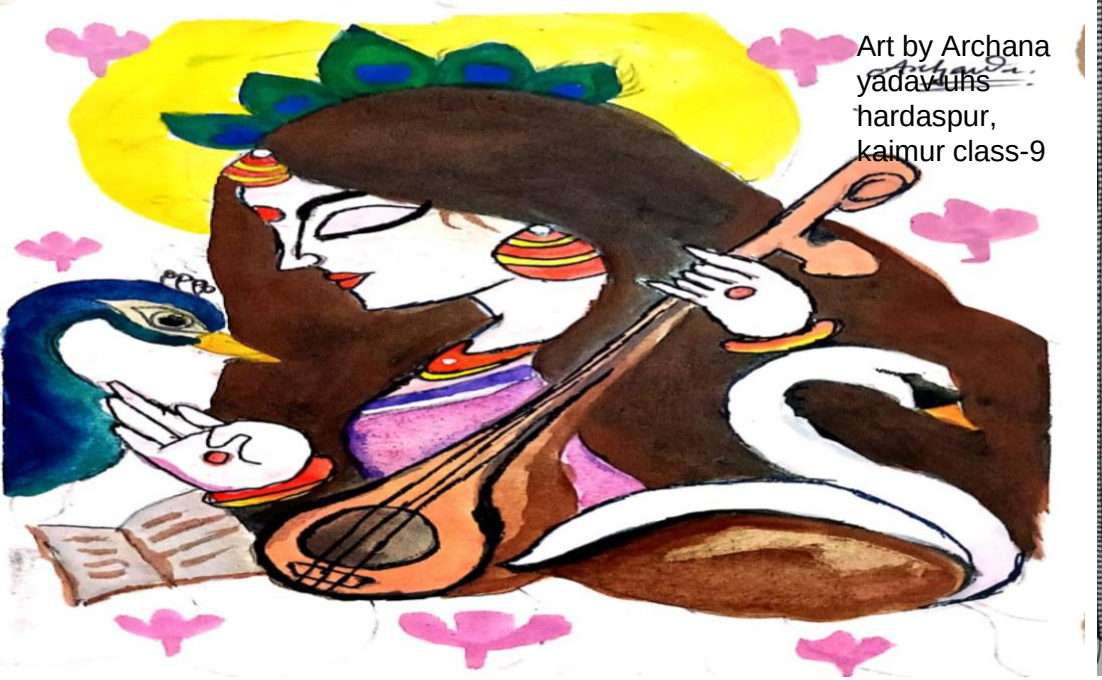

Art by Archana yadav uhs hardaspur, kaimur class-9

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस विशेष

10 फरवरी

मधु प्रिया

इंडिया गेट की नींव 10 फरवरी

10 फरवरी यानी आज का दिन भारत के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज है। इसी दिन वर्ष 1921 में डयूक ऑफ कनॉट ने 'इंडिया गेट' की नींव रखी थी। गेट को आर्किटेक्ट किया था एडविन लुटियन ने। इसे बनने में कुल 10 साल लगे थे और यह 12 फरवरी 1931 को बनकर पूरी तरह से तैयार हो गया था। इस गेट को लेकर कहा जाता कि पेरिस के आर्च ऑफ विक्ट्री से यह काफी मिलता जुलता है। सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के तहत बनाया गया था। आर्किटेक्चर एडविन लुटियन को जब दिल्ली में सेंट्रल विस्टा की रूपरेखा तैयार करने को कहा गया तो उन्होंने इसके पूर्व भाग में इंडिया गेट का खाका तैयार किया था। इस प्रोजेक्ट में एक तरफ रायसीना हिल्स तो दूसरी तरफ एक नहर को बनाया गया था। सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट की कुल चौड़ाई 600 मीटर थी और इसके ठीक बीच में राजपथ है। अगर इंडिया गेट की बात करें तो इसकी कुल उंचाई 42 मीटर है और यह 9.1 मीटर चौड़ा है। गेट को लाल और पीले बलुआ पत्थर से बनाया गया है। जिसे राजस्थान के भरतपुर से लाया गया था। इंडिया गेट का पूरा परिसर 400 एकड़ में फैला हुआ है। दरअसल, अंग्रेजी सरकार ने इसका निर्माण प्रथम विश्व युद्ध में शहीद हुए भारत के करीब 90 हजार सैनिकों की याद में करवाया था। दूसरा बड़ा कारण ये था कि यहां तात्कालीक सरकार अपने सारे आयोजन करवाना चाहती ताकि आयोजन को भव्य बनाया जा सके। यही कारण है कि इंडया गेट के चारों तरफ खुला मैदान रखा गया है। दिवारों पर लिखा है शहीदों का नाम
वहीं शुरूआत में इस गेट का नाम 'ऑल इंडिया वॉर मेमोरियल' था। जिसे बाद में बदल दिया गया। इंडिया गेट की दीवारों पर आज भी प्रथम विश्व युद्ध में शहीद हुए सैनिकों के नाम देखा जा सकता हैं। इस कारण से बनाया गया अमर जवान ज्योति मालूम हो कि आजादी के बाद इंडिया गेट परिसर में कई बदलाव किए गए। इसमें सबसे पहला बदलाव था, गेट के सामने से किंग जॉर्ज वी की प्रतिमा को हटना। वहीं 1971 में यहां पर अमर जवान ज्योति को बनाया गया। जो लगातार तब से जल रही है। इस ज्योति का निर्माण 1971 में भारत-पाक युद्ध में शहीद हुए हजारों भारतीय सैनिकों की याद में किया गया था।

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस ज्ञान

शशिधर उज्जवल

Wednesday

14 फरवरी

1. **वेलेन्टाइन डे–** माना जाता है कि पूर्व रोम में तत्कालीन सम्राट कलाडियस एक ऐसा राजा था जिसने सैनिकों एवं सैन्य अफसरों को विवाह करने पर रोक लगा दिया था। उसका मानना था कि स्त्री संसर्ग से व्यक्ति की शारीरिक शक्ति क्षीण हो जाती है। इसलिए राज्य की सुरक्षा में लगे सैनिकों या सैन्य अफसरों को विवाह नहीं करना चाहिए। इसी राजाज्ञा के विरूद्ध जाकर संत ने कई सैनिकों का विवाह उनकी प्रेमिकाओं से कराया। इस अपराध की सजा 14 फरवरी, 269 ई. को पादरी संत वेलेन्टाइन को फांसी दी गई थी और उसी के बाद प्रेम दिवस या वेलेन्टाइन डे मनाने की परंम्परा शुरू हुई।
2. **पूर्णिया जिला स्थापना दिवस–** आज पूर्णिया जिला का स्थापना दिवस है। पूर्णिया जिला का अस्तित्व 1770 से ही है। इसकी चर्चा आइने अकबरी में भी मिलती है। 2008 से लेकर प्रतिवर्ष 14 फरवरी को जिला का स्थापना दिवस मनाया जाता है। पूर्णिया शब्द स्थानिय नाम पुरैनिया का अंग्रेजी अपभ्रंश है। स्थानीय भाषा में 'पुरैन' का अर्थ है कमल। जबकि एक अन्य अर्थ है– 'पुरा–अरण्य' अर्थात् पूरा जंगल जो कि पहले हुआ करता था। यह भी कहा जाता है कि अति प्राचीन पौन्ड्र जनपद के नाम पर इस शहर का नाम पड़ा। महाभारत में भी इस जनपद का उल्लेख मिलता है। पूर्णिया जिले के उत्तर में अररिया जिला, दक्षिण में कटिहार और भागलपुर, पश्चिम में मधेपुरा, सहरसा और बंगाल का पश्चिम दिनाजपुर जिला, और पूर्व में बिहार का किशनगंज जिला स्थित है। पूर्णिया जिले में 4 अनुमण्डल, 14 प्रखण्ड तथा 252 पंचायतें हैं। पूर्णिया जिले का क्षेत्रफल 3,202 वर्ग किलोमीटर है।
   - **क्या करें–** बच्चों को बिहार के मानचित्र पर पूर्णिया जिले की भौगोलिक अवस्थिति, प्रमुख नदियां, कृषि, उद्योग–धंधे, लिंगानुपात, साक्षरता दर, पर्यटन स्थल आदि के बारे में बताइये।
3. **लॉरेंशियम नामक तत्व की खोज–** लॉरेंशियम (परमाणु क्रमांक 103) नामक तत्व की खोज अल्बर्ट घिओर्स, टर्बजोर्न सिक्कलेंड, अलमोन लार्श तथा राबर्ट लाटिमर के द्वारा कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले में किया गया था। इसका परमाणु भार 262.11 होता है। इसे आर्वत सारणी के एफ–ब्लॉक में रखा गया है। यह एक रेडियोएक्टिव तत्व माना जाता है।
4. **पुलवामा शहीद स्मृति–** जम्मु–कश्मीर के पुलवामा में 14 फरवरी, 2019 को जम्मु से सड़कमार्ग से श्री–नगर आ रहे 2,547 सीआरपीएफ जवानों के काफिले पर आतंकी हमला किया गया। जिसमें 43 जवान शहीद हो गये। हमले की जिम्मेदारी आतंकी गुट जैश–ए–मोहम्मद ने ली। पुलवामा हमले के एक वर्ष पुरे होने पर शहीदों की याद में मेमोरियल का उद्घाटन किया गया जो लेतपोरा में स्थित है।

Madhu priya

स्वास्थ्य सुझाव

अमरेंद्र कुमार

व्यायाम, ध्यान, योगासन व प्राणायाम करते वक्त ढीले कपड़े पहनने चाहिए, जो हमारे शरीर को आराम दें और जो पसीने को अच्छी तरह से सोखें।

ToB बालमन

अज़ब-गज़ब

फरवरी 2024

1. फिलीपींस के केल्विन मदीना ने मात्र 23.62 सेकंड में 12 पिज़्ज़ा खा लिए थे।

2. गाने के अनुसार हमारे दिल की धड़कन बदल जाती है।"

3. भोजन के नाम पर चाइना में 40 लाख बिल्लियाँ हर साल खाई जाती हैं।

4. एक रिसर्च के अनुसार अगर इंसान जितनी ज्यादा ठंडी जगह में सोता है तो उसे सपने उतने ही ज्यादा डरावने आने की संभावना होती है।

5. दुनिया में सबसे ज्यादा चॉकलेट स्विट्जरलैंड में खाई जाती है। यहां हर व्यक्ति एक साल में 10 किलो के औसत से चॉकलेट खाता है।

स्रोत: सोशल मीडिया

ToB बालमन

फरवरी 2024

जरा मुस्कुरा भी दीजिए....

क्या आप जानते हैं कि 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' टीवी शो में गोकुल धाम सोसायटी की सभी औरतें खुश क्यों रहती हैं?

क्योंकि

वहां एक भी सास नहीं है...

पति- शादी के समय सात फेरे लेते वक्त तुमने वचन दिया था और स्वीकार किया था कि

मेरी इज्जत करोगी, मेरी सब बात मानोगी।

पत्नी- तो क्या इतने लोगों के सामने तुमसे बहस करती।

बीवी की बात सुनकर पतिदेव हैरान रह गए।

14 फरवरी

बसंत पंचमी

की हार्दिक शुभकामनाएं

www.teachersofbihar.org

Punita Kumari

ToB बालमन आपके पेंटिंग भाग 1

चंद्रजीत कुमार कक्षा 6 UMS सोनाव कुदरा, कैमूर

ToB बालमन आपके पेंटिंग भाग 2

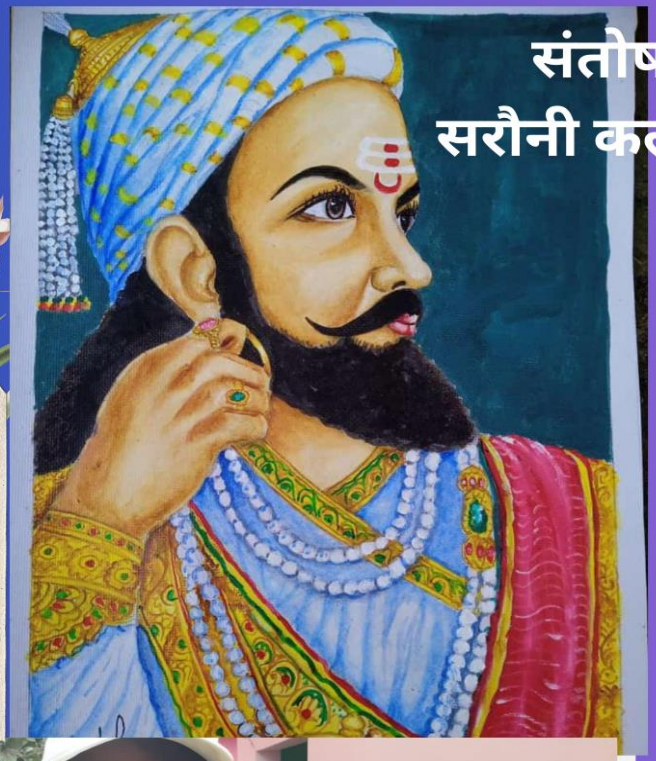

संतोष कुमार
सरौनी कला, मधेपुरा

Aadya Kashyap
Forbesganj

UHS NARHAN, RAMGARH, KAIMUR

संजन कुमारी
वर्ग छह
राजकीकृत मध्य विद्यालय,रांटी
मधुबनी

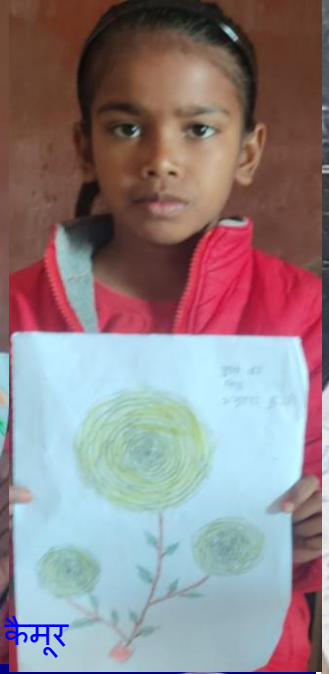

वर्ग 3
प्राथमिक विद्यालय कवई , भभुआ, कैमूर

रूपाली कुमारी
वर्ग 6
राजकीय बुनियादी
विद्यालय कल्याणपुर
दुर्गावती कैमूर

ToB बालमन
आपके पेटिंग भाग 3

राजकीय मध्य विद्यालय
नेउरी बरौली, गोपालगंज

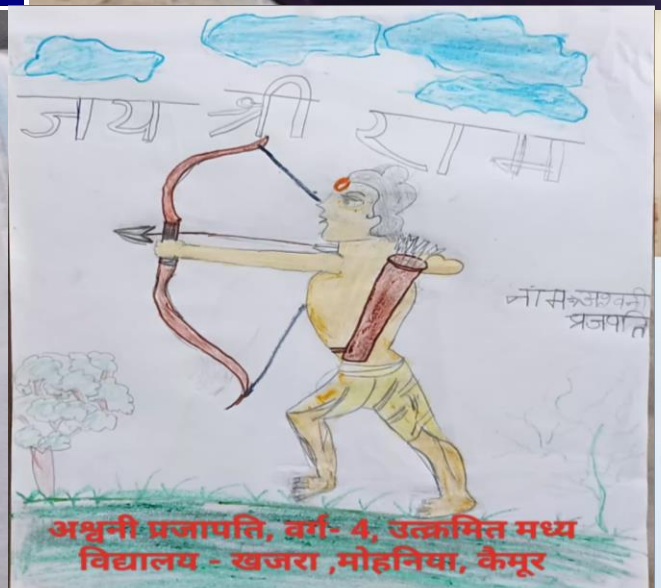

अश्वनी प्रजापति, वर्ग- 4, उत्क्रमित मध्य विद्यालय - खजरा ,मोहनिया, कैमूर

UMS सिलौटा

ToB बालमन आपके पेंटिंग भाग 4

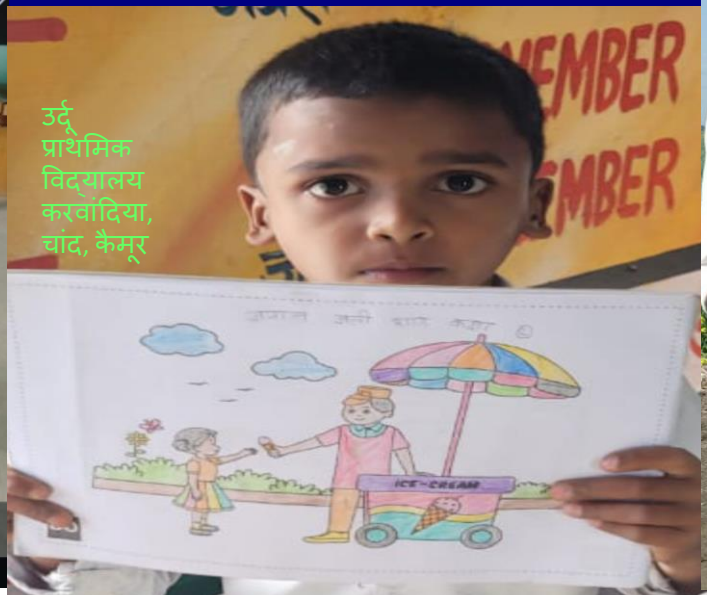

ToB बालमन आपके पेंटिंग

भाग 5

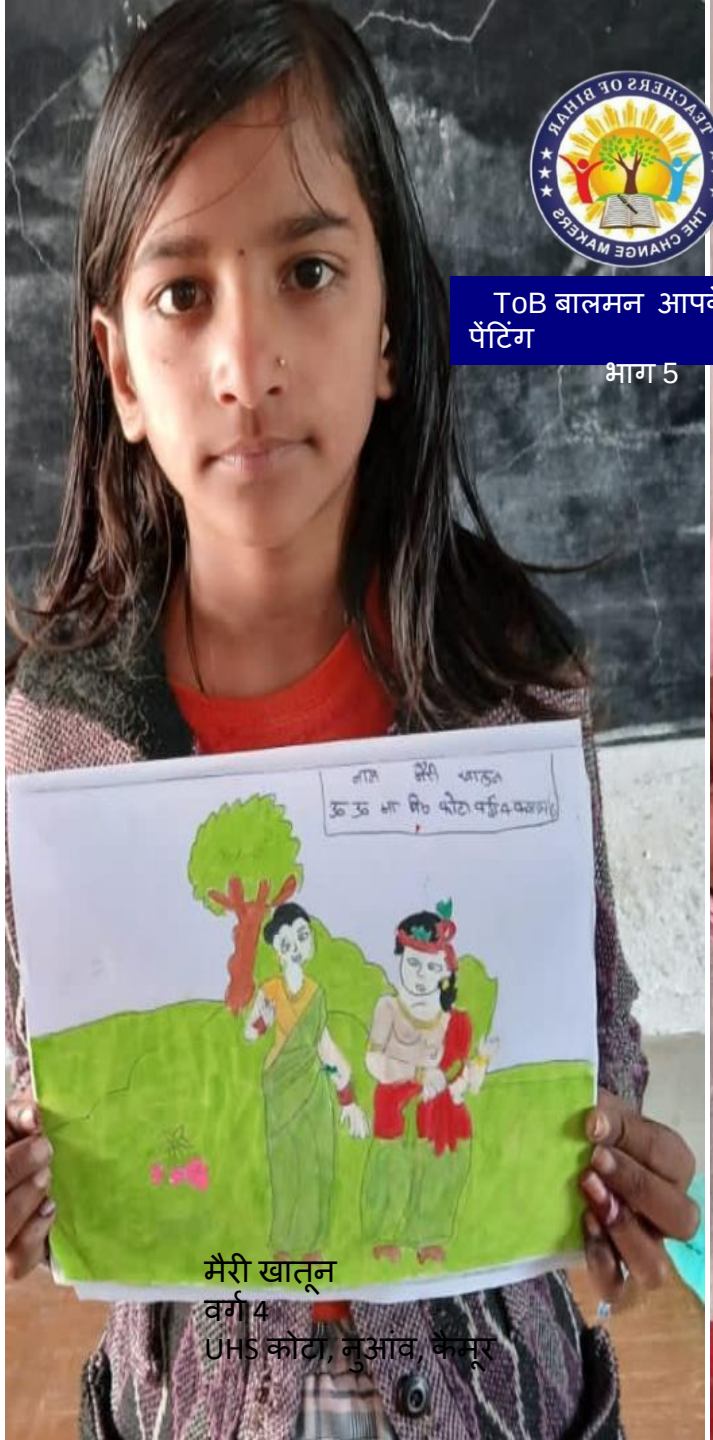

मैरी खातून
वर्ग 4
UHS कोटा, नुआव, केमूर

पेन और पेंसिल आर्ट भाग 1

UMS सिलौटा, भभुआ, कैमूर

UMS सिलौटा, भभुआ, कैमूर

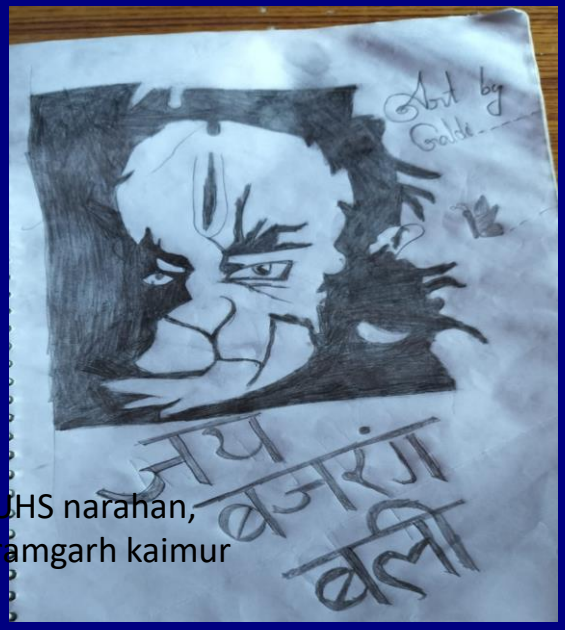

UHS narahan, ramgarh kaimur

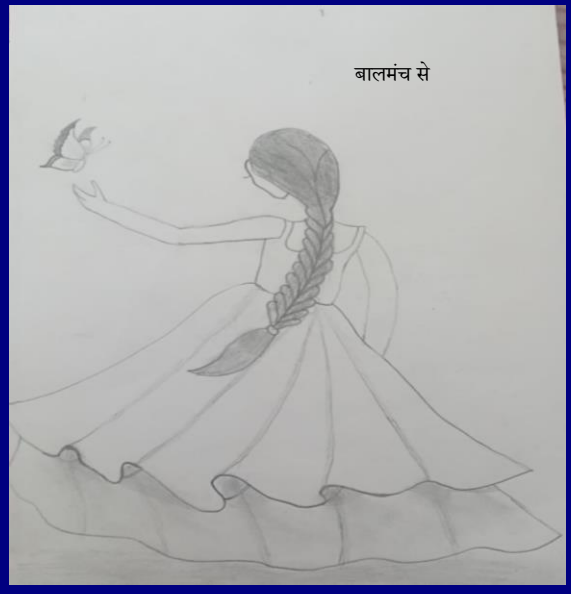

पेन और पेंसिल आर्ट भाग 2

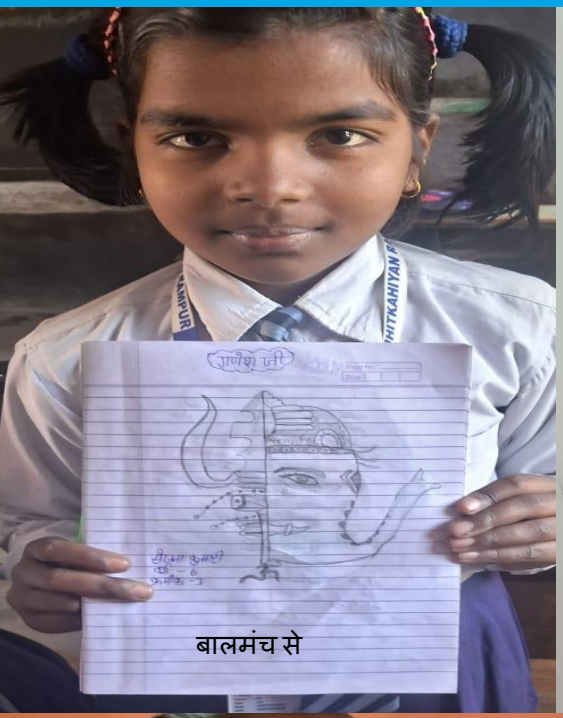

आशीष सर,अररिया जिला के सौजन्य से

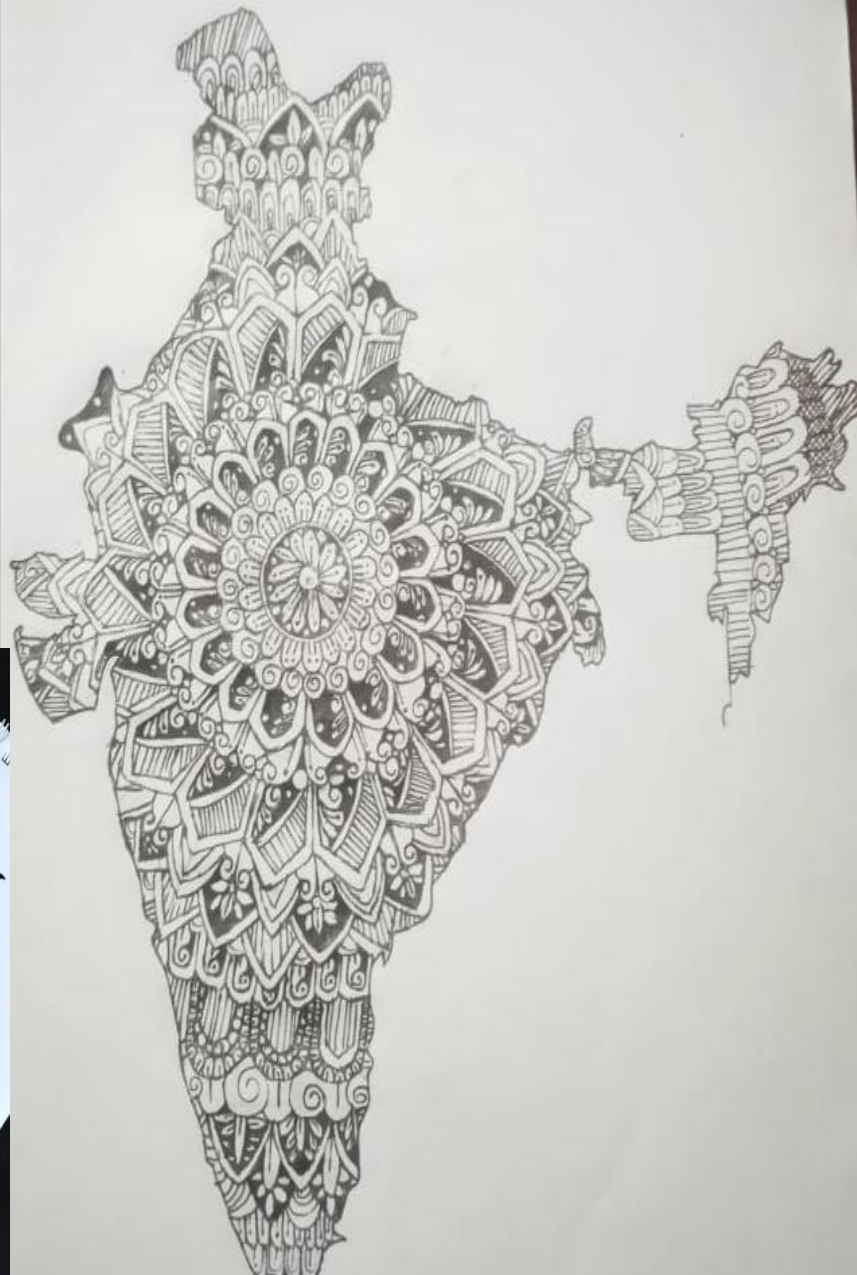

एकता दरभंगा

बालमन

TOB बूझो तो जानें..

संजय कुमार

फरवरी 2024

1

देखी रात अनोखी वर्षा,
सारा खेत नहाया,था पानी शुद्ध
लेकिन कोई पी ना पाया।

2

गाना गा कर सबसे पहले
सबको जगाता है।
खुद के जीवन का कोई भरोसा नहीं
कब किस किसका भोजन बन जायेगा ?

3

सोने की वह चीज है
पर बेचे ना कोई सुनार।
मोल तो ज्यादा है नही
पर बहुत है उसका भार।।

4

हू मैं ऐसा जो केवल बढ़ता हूं
कभी कम नहीं होता हूं।

उत्तर 1-ओस ,2- मुर्गा, 3-चारपाई/खटिया 4- उम्र

जयंती विशेष 18 फरवरी

राकेश कुमार

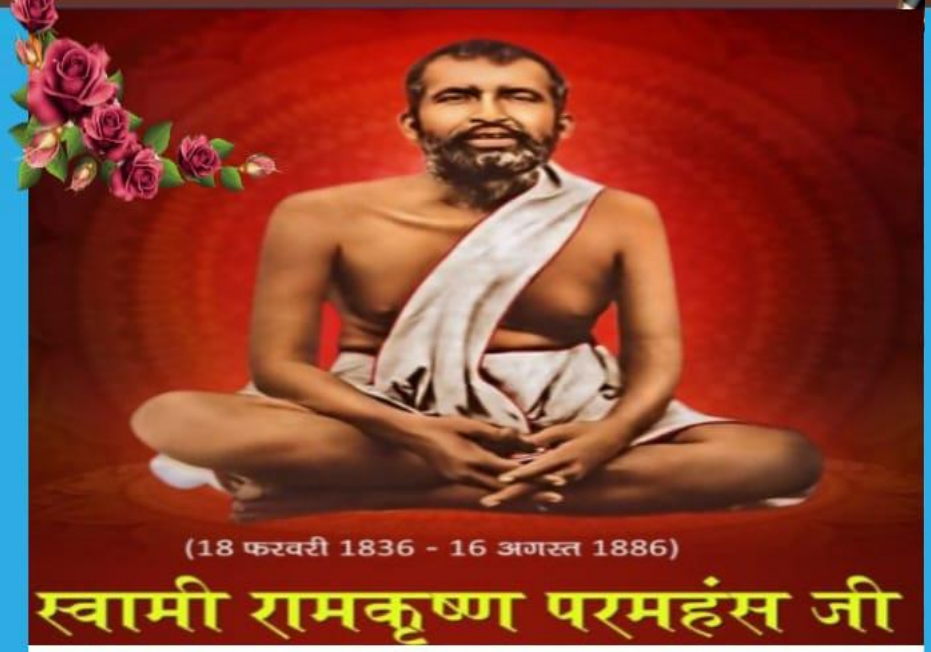

(18 फरवरी 1836 - 16 अगस्त 1886)

स्वामी रामकृष्ण परमहंस जी

रामकृष्ण परमहंस *Ramakrishna Paramhansa*, जन्म: 18 फ़रवरी, 1836 - मृत्यु: 16 अगस्त 1886) भारत के एक महान् संत एवं विचारक थे। इन्होंने सभी धर्मों की एकता पर ज़ोर दिया था। उन्हें बचपन से ही विश्वास था कि ईश्वर के दर्शन हो सकते हैं। अतः ईश्वर की प्राप्ति के लिए उन्होंने कठोर साधना और भक्ति का जीवन बिताया। रामकृष्ण मानवता के पुजारी थे। साधना के फलस्वरूप वह इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि संसार के सभी धर्म सच्चे हैं और उनमें कोई भिन्नता नहीं है। वे ईश्वर तक पहुँचने के भिन्न-भिन्न साधन मात्र हैं।

Teachers of Bihar
The change makers

जयंती विशेष 19 फरवरी

राकेश कुमार

शिवाजी *Shivaji*, पूरा नाम: 'शिवाजी राजे भोंसले', जन्म: 19 फ़रवरी, 1630 ई.; मृत्यु: 3 अप्रैल, 1680 ई.) पश्चिमी भारत के मराठा साम्राज्य के संस्थापक थे। शिवाजी के पिता का नाम शाहजी भोंसले और माता का नाम जीजाबाई था। सेनानायक के रूप में शिवाजी की महानता निर्विवाद रही है। शिवाजी ने अनेक क़िलों का निर्माण और पुनरुद्धार करवाया। उनके निर्देशानुसार सन 1679 ई. में अन्नाजी दत्तों ने एक विस्तृत भू-सर्वेक्षण करवाया, जिसके परिणामस्वरूप एक नया राजस्व निर्धारण हुआ।

www.teachersofbihar.org

ToB बालमन क्विज

फरवरी 2024

1

अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस कब मनाया जाता है?

A. 8 सितंबर B. 14 अक्टूबर

C. 14 नवंबर D. 30 जनवरी

2

महात्मा गांधी को बापू सर्वप्रथम किसने का कहा था ?

A.सुभाषचंद्र बोस B. महात्मा गांधी

C. सरदार पटेल D. भगत सिंह

3

बिहार के वर्तमान उप मुख्यमंत्री का क्या नाम हैं?

A.तेजस्वी यादवB. सम्राट चौधरी

C. विजय चौधरीD. नीतीश कुमार

4

झूम कृषि किस राज्य से सम्बन्धित हैं?

A.पंजाब B. तमिलनाड

C.गुजरात D. नागालैंड

5

पटना नगर निगम की स्थापना किस वर्ष हुई थी ?

A.वर्ष 1947 B. वर्ष 1971

C. वर्ष 1952 D. वर्ष 1983

उत्तर: 1.A ,2.A ,3.B,4.D,5.C

धीरज कुमार
उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा भभुआ कैमूर

बिहार सरकार

मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम

बिहार सरकार

निर्देश

1. सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम का उद्देश्य है कि विद्यालय के बच्चों में जोखिमों की पहचान एवं उससे बचाव करने की क्षमता, ज्ञान तथा आत्मविश्वास विकसित किया जाए ताकि वे किसी प्रकार के आपदा प्रत्युत्तर के लिए तैयार हो सकें।
2. बाल प्रेरकों द्वारा अन्य सभी बच्चों को एक साथ ज्ञान एवं कौशल स्थानांतरित करने का तरीका अन्य शिक्षण पद्धति से ज्यादा उपयुक्त होता है। अतः बाल प्रेरकों को प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है।
3. प्रत्येक विद्यालय के फोकल शिक्षक सभी बाल प्रेरकों के साथ शनिवार के एक दिन पूर्व वार्षिक–सारणी में निर्धारित गतिविधियों के अनुरूप योजना तैयार करेंगे।
4. सुरक्षित शनिवार की गतिविधियाँ प्रत्येक शनिवार के चेतना सत्र तथा अंतिम सत्र में अनिवार्य रूप से आयोजित करेंगे।
5. जिस माह चौथा शनिवार पड़े, उस स्थिति में बच्चों को स्वच्छता संबंधी विषयों के बारे में जानकारी दिया जाए एवं अभ्यास कराये।
6. जुलाई के प्रथम पखवारे (1–15 जुलाई) में विद्यालय सुरक्षा पखवाड़ा तथा 4 जुलाई को विद्यालय सुरक्षा दिवस प्रत्येक विद्यालय में आयोजित होगा। विद्यालय सुरक्षा पखवारे में क्षेत्र विशेष को प्रभावित करने वाली सभी आपदाओं (सुखाड़, सहित) पर आधारित कार्यक्रम किये जायेंगे।
7. स्थानीय विशेष कारणों से सप्ताह में वर्णित गतिविधियों को आगे–पीछे किया जा सकता है।
8. विद्यालय में लंबी छुट्टी होने की स्थिति में बच्चों को गृहकार्य के रूप में विद्यालय सुरक्षा से संबंधित विषयों का अभ्यास एवं उसपर चर्चा करने संबंधी कार्य दिये जाएं ।

unicef | for every child

unicef

मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम

(सुरक्षित शनिवार)

RAKESH KUMAR
MIDDLE SCHOOL BALUA MANER (PATNA)

माह: फरवरी

प्रथम शनिवार दिनांक **03.02.2024**	भूंकप से खतरे एवं बचाव के बारे में जानकारी (मॉकड्रिल)	
द्वितीय शनिवार दिनांक **10.02.2024**	कुपोषण से होनेवाली परेशानियां एवं उसके समाधान के सन्दर्भ में जानकारी	
तृतीय शनिवार दिनांक **17.02.2024**	बिजली से घात, जल जमाव से परेशानियां तथा बोरिंग के गड्ढे से होनेवाली घटनाओं के बारे में जानकारी	
चतुर्थ शनिवार दिनांक **24.02.2024**	जल एवं भूमि का संरक्षण, वायु प्रदूषण एवं पेड़-पौधे का संरक्षण के संदर्भ में जानकारी	

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

www.teachersofbihar.org

UHS कोटा, नुआंव, कैमूर

सुरक्षित शनिवार

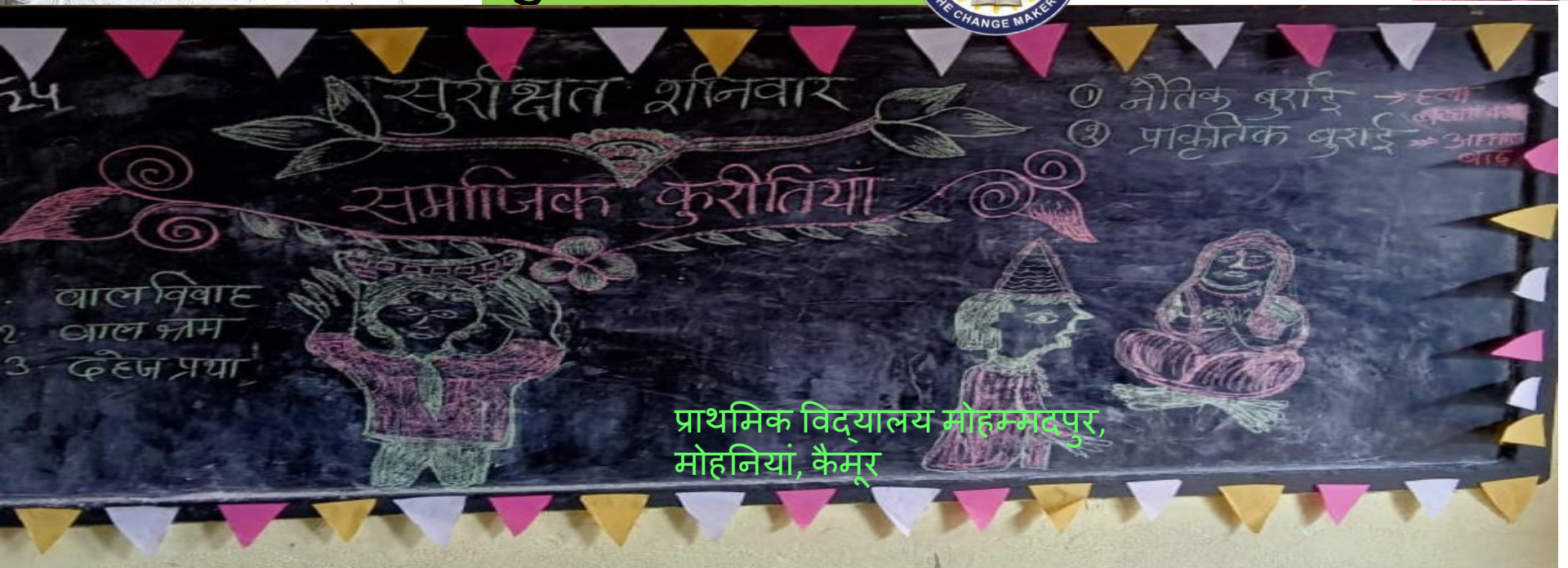

प्राथमिक विद्यालय मोहम्मदपुर, मोहनियां, कैमूर

TEACHERS OF BIHAR

बालमन कविता

फ़रवरी 2024

तितली

सतरंगी पंख लगाकर तितली रानी तुम कहाँ चली।
लाल गुलाबी नीली पीली ओढ़ ओढ़नी कहाँ चली।।
बासंती ऋतु में सरसों फूली लहराई गेहूं की बाली।
अमराई में कोयल बोली फूलों पर उड़ने कहाँ चली।।

रंग बिरंगे पुष्प खिल गए महक उठी क्यारी क्यारी है।
तितली भरो उड़ान अब मक़रंद लूटने की बारी आई।।
पेट भर रसपान करना बच्चों के कभी हाथ न आना।
बस नज़रों के इर्द गिर्द ही उड़ते उड़ते मन बहलाना।।

गेंदा ,गुलाब और चमेली देखो खुशबू फैलाते सारे।
हरियाली की चुनर ओढ़ धरती माता हरषाई प्यारे।।
जादू है क्या तितली तुम में जो झट गायब हो जाती।
पकड़ न पाए कोई तुमको पल में तुम उड़ जाती।

शुभांगी शर्मा
बाल कवयित्री
भवानीमंडी, जिला -झालावाड़, राजस्थान

2024

02

ToB बालमन जानकारी

FEBRUARY

लीप ईयर

SUN MON TUE WED THU FRI SAT

हमारी पृथ्वी सूर्य का एक चक्कर 365 दिन 6 घंटे और 9 मिनट में एक चक्कर पूरा करती है। इस एक चक्कर में लगने वाले 6 घंटे को हर साल नहीं गिना जाता है और हर चौथे वर्ष इसे जोड़कर 24 घंटे या 1 दिन को वार्षिक कैलेंडर में जोड़ दिया जाता है। इसी वजह से लीप ईयर (Leap Year) की फरवरी में 29 दिन होते हैं।लीप ईयर को अधिवर्ष भी कहा जाता है। किसी वर्ष के लीप ईयर का पता करने के लिए सबसे पहले आप उस वर्ष को 4 की संख्या से भाग दे सकते हैं। यदि भाग करने के अंत में शेष शून्य बचता है तो वह वर्ष लीप ईयर होगा। उदाहरण के लिए वर्ष 2024 के लीप ईयर का पता करने के लिए 2024 में 4 से भाग देने पर 2024 पूरा -पूरा विभाजित हो जाता है। अतः वर्ष 2024 लीप ईयर हैं।इस वर्ष फरवरी माह 29 दिन का हैं।

धीरज कुमार
प्रधान संपादक
ToB बालमन पत्रिका

प्रार्थना

अपरम्पार तुम्हारी लीला

अपरम्पार तुम्हारी लीला हमको निपुण बना दो तुम
रोज सवेरे जल्दी उठकर विद्यालय को आते हैं
नए नए शब्दों को पढ़ते नए तराने गाते हैं
तुम पर पुष्प चढ़ाते पीला हमको निपुण बना दो तुम
अपरम्पार तुम्हारी लीला.....

हमने सुना है मईया सबको मुंह मांगा वर देती हो
पलभर में ही खाली झोली तुम सबकी भर देती हो
हम सबका स्वभाव शर्मीला हमको निपुण बना दो तुम
अपरम्पार तुम्हारी लीला.....

रंग चढ़ाकर पुष्पों में तुम उन में खुशबू भरती हो
बिना रंग के इंद्रधनुष को तुम सतरंगी करती हो
तुमसे अम्बर नीला नीला हमको निपुण बना दो तुम
अपरम्पार तुम्हारी लीला हमको निपुण बना दो तुम

NIPUN BHARAT

सौजन्य से: अरविंद कुमार
NPS हसनपुरा, कैमूर

NIPUN BHARAT

TEACHERS OF BIHAR

बालमन लघुकथा

फरवरी 2024

स्वभाव

अपने घर के बैठकखाने में टयूशन पढ रहे सात वर्ष का लड़का पढने के क्रम में रुककर बोला – "अब छुट्टी कर दीजिए सर।"

'क्यों ?' शिक्षक ने पूछा।

सर अभी मेरी मौसी आनेवाली है। वह बउआ को भी लाएगी। लड़के का चेहरा गुलाब की तरह खिल उठा। शिक्षक और लड़के के बीच हो रही इस वार्तालाप को लड़के की माँ सुन ली। वह आज अपने काम से जरा सवेरे लौट आयी थी। अपने लड़के को वह दूसरों के छोटे - छोटे बच्चों से खेलने देना कतई नहीं चाहती। पर लड़का उसकी डॉट - फटकार की परवाह किये बगैर अक्सर पड़ोस के छोटे शिशु को गोद में लेकर खेलता - खेलाता रहता। माँ लड़के को अच्छी पढ़ाई के बाद बड़ी नौकरी या बड़े व्यवसाय में देखना चाहती थी। इसके लिए उसे वह अपने हिसाब से पढने-लिखने, खेलने-कूदने देना चाहती। शिक्षक से लड़के की छुट्टी माँगने की जिद्द से वह खीझ गई। बैठकखाने में दाखिल होते हुए बोली – "जी नहीं, आप अपने समय से इसकी छुट्टी करेंगे। देखती हूँ, आजकल पढाई में इसका बिल्कुल मन नहीं लग रहा है। बदमाशी भी करता है। मुझको तो सुनता ही नहीं।"

"डॉटिए तो दुलारिये नहीं। बदमाशी करने पर हलकी चपत लगा दिया कीजिए। यह आपका भी डर मानेगा।" शिक्षक ने सलाह दी।

माँ की आखें छलछला आयीं – "मैं इसे अपने से थोडा भी दंडित नहीं कर सकती। इसे डाँटती भी हूँ तो अंदर से घबरा जाती हूँ । बहुत मन्नतें माँगने के बाद, ईश्वर ने मुझे इसका मुँह दिखाया है । इसके प्रसव के समय की पीडा याद आने पर मेरा कलेजा आज भी दहल जाता है। इसको जनने के बाद, समझिए, मैं तो मर ही चुकी थी। कितने रिश्तेदारों के खून चढाये जाने के बाद मुझे होश आया था। उसी वक्त किसी ने बताया कि मैं दुबारा माँ नहीं बन सकती। मैं चीखना चाही, तभी इसके पिता ने इसे मेरी गोद में देकर मुझे अपने बाजुओं में थाम लिया।"

माँ आँचल से अपनी आँखें पोंछने लगी। लड़का उठकर बाहर की ओर दौड़ा। उसे अपनी मौसी के पहुँच जाने की आहट मिल गई थी। वह मौसी से झटपट शिशु को अपने गोद में लेकर चहकने - कूदने लगा।

मुकेश कुमार मृदुल
विद्यालय अध्यापक(11-12)
उच्च माध्यमिक विद्यालय दिघरा, पूसा, समस्तीपुर, बिहार,

चेतना सत्र

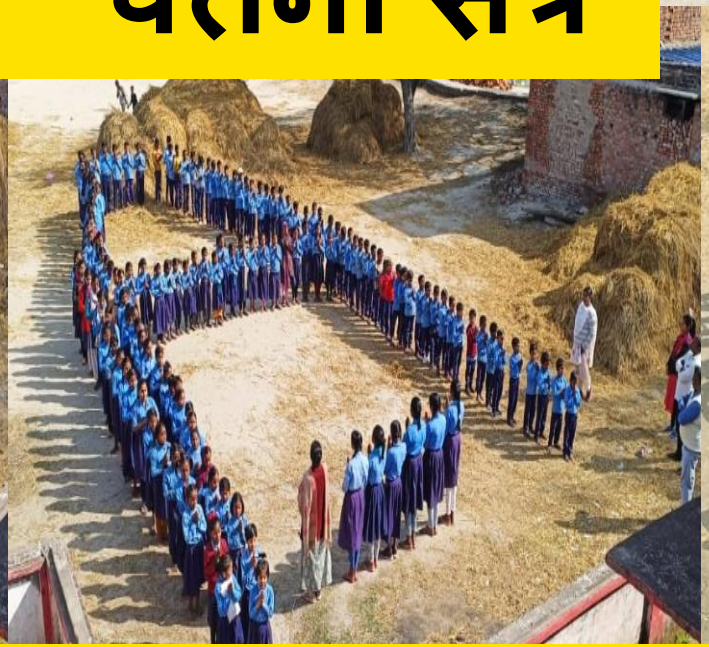

U m s ledari chand , kaimur

Teachers of Bihar

The change makers

गुणकारी फल

रसभरी

मुझमें विटामिन सी,ए, कार्बोहाइड्रेट, मैग्नीशियम, कैल्शियम, पोटैशियम और एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है।

Anu priya

www.teachersofbihar.org

चेरी

मुझमें विटामिन सी, कार्बोहाइड्रेट, फाइबर, कैल्शियम, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस, पोटेशियम आदि पोषक तत्व पाए जाते हैं।

Anu priya

www.teachersofbihar.org

ToB बालमन

रोचक गणित

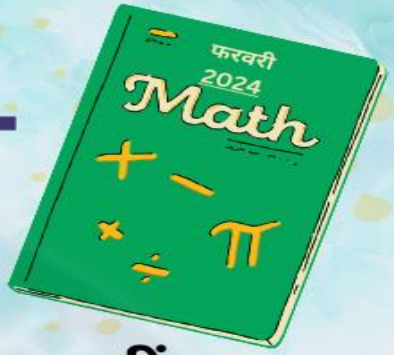

A. 1 से 99 तक spelling में A , B, C,D का प्रयोग नहीं हुआ है।

B. पहली बार D का प्रयोग "Hundred" की spelling में हुआ है।

C . 1 से 999 तक spelling में A , B, C का प्रयोग नहीं हुआ है।

D. 1 से 1000 तक spelling में B,C,J,K,M,P,Q तथा Z का प्रयोग नहीं हुआ है।

E. पहली बार A का प्रयोग "Thausand "की spelling में हुआ है।

F. पहली बार B का प्रयोग"Billion" की spelling में हुआ है।

G. पहली बार C का प्रयोग "Lac" की spelling में हुआ है।

H. सिर्फ एक बार Z का प्रयोग "Zero" की spelling में हुआ है।

कुमार राकेश मणि
उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय कोटा नुआंव कैमूर

बिहार सरकार

शिक्षा विभाग

मिशन दक्ष

पढ़ाई में कमजोर 25 लाख बच्चों को मिलेगा लाभ

- वर्ग **03 से 08** के ऐसे छात्र, जो **हिन्दी के वाक्य धारा** प्रवाह नहीं पढ़ सकते हैं।
- ऐसे छात्र-छात्रा जो **मौलिक गणित** में सक्षम न हों।
- **अँग्रेजी वर्णमाला** की जानकारी का अभाव हो।
- उनके विद्यालयों में **तीन बजे के बाद** विशेष कक्षाएं आयोजित होंगी।

@EducationDepartmentBihar | @BiharEducation | @bihar_education_dept | /iprdbihar | @iprd_bihar

मिशन दक्ष

बिहार सरकार

ध्येय	प्रारंभ	समाप्ति	कवरेज
दसवीं कक्षा तक Drop out rate को नगण्य करना।	01 दिसंबर 2023	जबतक मिशन का ध्येय प्राप्त न हो जाय।	कक्षा - 3 से कक्षा - 8 तक के विधार्थी।

मिशन के क्रियान्वयन के निम्नलिखित चरण होंगें :-

पहला चरण

सभी प्रारंभिक विद्यालयों में कक्षा - 3 से कक्षा - 8 तक के ऐसे सभी विद्यार्थियों को चिन्हित करना जो :-

1. हिंदी के कुछ वाक्य धारा प्रवाह नहीं पढ़ एवं लिख सकते हैं।
2. जो मौलिक गणित में समझ न हो।
3. अंग्रेजी वर्णमाला की जानकारी का अभाव।

द्वितीय चरण

सभी प्रारंभिक विद्यालयों में, विद्यालय गतिविधि समाप्त होने के पश्चात (अपराह्न 3 बजे के बाद) अथवा भोजनावकाश के बाद इन छात्रों की विशेष कक्षाएं होनी चाहिए।

तृतीय चरण

अकादमिक सत्र (2023 - 24) की वार्षिक परीक्षा के पश्चात अलग से एक परीक्षा अप्रैल 2024 अथवा ग्रीष्मावकाश के दौरान ली जाएगी।

पढ़ें बिहार, दक्ष बिहार

ToB राकेश कुमार

खेल कॉर्नर

खेल सामान्य ज्ञान

आगा खान कप किस खेल से संबधित है?	हॉकी
मेजर ध्यानचंद की आत्मकथा का क्या नाम है?	गोल
भारत में खेला गया पहला हॉकी टूर्नामेंट कौन-सा था?	बेटन कप , कोलकाता (वर्ष 1895)
अखिल भारतीय हॉकी फेडरेशन की स्थापना किस वर्ष में हई थी?	वर्ष 1925 में
भारतीय हॉकी टीम सर्वप्रथम कब कोई अंतर्राष्ट्रीय मैच खेली?	इंडियन आर्मी टीम (वर्ष 1926)
भारत ने अब तक ओलम्पिक में हॉकी स्पर्धा में कुल कितने पदक प्राप्त किये है?	8 स्वर्ण + 1 रजत + 2 कांस्य = 11 कुल पदक
ओलम्पिक हॉकी में भारत का सबसे लम्बा अविजित रिकॉर्ड क्या है?	1928 से 1960 तक 30 मैचो में अविजित

कोर्ट– कबड्डी, लाल टेनिस, वॉलीबॉल ,बैडमिंटन तथा खो–खो के खेल परिसर को कोर्ट कहा जाता है ।
फील्ड– फुटबॉल ,पोलो तथा हाथी के खेल परिसर को फील्ड कहा जाता है।
पिच– क्रिकेट तथा रग्वी के खेल परिसर को पिच कहा जाता है।
रिंग – स्केटिंग तथा मुक्केबाज बाजी के खेल परिसर को रिंग कहा जाता है।

- घुड़सवारी के खेल परिसर **एरीना** कहते हैं।
- स्कॉटलैंड का राष्ट्रीय खेल **रग्बी फुटबॉल** है ।
- बाइचुंग भूटिया, शिशिर घोष ,रोनाल्डो इन खिलाड़ियों का संबंध फुटबॉल खेल से है ।
- ध्यान चंद्र ,दिलीप टर्की ,वाकर फीट, जोगराज सिंह इन खिलाड़ियों का संबंध हाँकी से है ।
- देवधर ट्रॉफी ,ईरानी ट्रॉफी ,रणजी ट्राफी सीके नायडू ट्रॉफी का संबंध क्रिकेट खेल से है।

ToB बालमन
फरवरी 2024

दर्शनीय स्थल

बिहार पर्यटन: बराबर की गुफ़ा

बराबर की गुफाएं जहानाबाद से 25 किलोमीटर की दूरी पर मखदूमपुर के पास पहाड़ी इलाके में चट्टानों को काटकर बनायीं गयी सबसे पुरानी गुफाएं हैं। इनमें से अधिकाँश गुफाओं का सम्बन्ध मौर्या काल (३२२-१८५ ईसा पूर्व) से है और कुछ में अशोक के शिलालेखों को देखा जा सकता है। ये गुफाएं बराबर (चार गुफाएं) और नागार्जुनी (तीन गुफाएं) की जुड़वाँ पहाड़ियों में स्थित है। बराबर में ज्यादातर गुफाएं दो कक्षों की बनी हैं जिन्हे पूरी तरह से ग्रेनाइट को तराशकर बनाया गया है जिनमे से एक उच्च - स्तरीय पोलिश युक्त आतंरिक सतह और गूंज का रोमांचक प्रभाव पैदा करता है। इन गुफाओं का उपयोग आजीविका सम्प्रदाय के सन्यासियों द्वारा किया गया था जिनकी स्थापना मक्खलि गोसाल द्वारा की गयी थी , वे बौद्ध धर्म के संस्थापक सिद्दार्थ गौतम और जैन धर्म के अंतिम एवं २४ वे तीर्थंकर महावीर के समकालीन थे। इसके अलावा इस स्थान पर चट्टानों से निर्मित कई बौद्ध और हिन्दू मूर्तियां भी पायी गयी हैं।

बाबा सिद्धनाथ मंदिर, जिसे शिव मंदिर के रूप में भी जाना जाता है और मूल रूप से सिध्देश्वर नाथ मंदिर के रूप में जाना जाता है, बराबर पहाड़ियों की सीमा में सबसे ऊंची चोटियों में से एक में स्थित है। मंदिर 7 वीं सदी ए.ड. में गुप्ता काल के दौरान बनाया गया था।

इतिहास प्रेमी और जिन्हें पर्यटन में रुचि है उनको इस स्थल पर एक बार जरूर जाना चाहिए। कई धर्म का संगम स्थल ,ऐतिहासिक शिलालेख, नक्काशी, वास्तुकला को देखने और महसूस करने का अद्भुत स्थल है बराबर या सतघरवा गुफाएं।

कुमार राकेश मणि
(प्रधानाध्यपक)
UHS कोटा, नुआंव
(कैमूर) बिहार

ToB बालमन कविता

फरवरी 2024

बसंत

पीली चुनर ओढ़ धरा ने झूम के ली है अंगराई
आया बसंत का मौसम सुहाना रुत पे छाई तरुणाई

भौंरों का गुंजन है छाया जग के सारे उपवन में
खिल उठे हैं फूल सभी तो कलियां सारी मुस्काई

मंद मंद से पवन के झोंके द्वार हृदय के खोल रहें
पीड़ा सारी है हर लेती ये बासंती पुरवाई

कूक रही है कोयल प्यारी पपिहा गाए गीत नया
प्रीत के गीत में डूबा तन मन बज उठी है शहनाई

शीत की चादर उतार इला ने सतरंगी है भेष धरा
लाल गुलाबी चंपई नीली जैसे चुनारियां लहराई

तितली के तेवर हैं निराले इठलाती है शाखों पर
छू के मुख सुमनों का देखो कैसे है ये शरमाई

ऊर्जा नई आई है तन में जग में स्फूर्ति है आई
जाग उठी है निद्रा से ये इच्छाएं जो थी अलसाई

रिजवाना यासमीन उर्फ चांदनी समर(शिक्षिका)
मुजफ्फरपुर [बिहार]

TEACHERS OF BIHAR

बालमन कविता

फरवरी 2024

मेरा हमसफर

मन हो जब बेचैन, याद में बहे नैन,
एक झलक से मिले दिल को चैन,
जिसके गोद में रखने पर सर,
सुकून मिले वह मेरा हमसफ़र।
मंजिल पाने में साथ निभाए,
अच्छे बुरे का फर्क समझाएं,
साथ रहे तो, रहूँ बेफिकर,
वह मेरा हमसफ़र।
आंखों से पढ़ ले दिल की बात,
मौन रहने पर समझे जज्बात,
कह सकू हर बात निडर,
वह मेरा हमसफर।
जिसकी आहट से खिले मन,
ना मिलने पर सूना चमन,
जब-जब जनम मिले, मर-मर कर,
हर बार वही मिले, वह मेरा हमसफ़र।।

शशिकान्त वर्मा (शिक्षक)
प्रा०वि० रामपुर, भभुआ-कैमूर

ToB SCIENCE TLM

प्राकृतिक संसाधन (Natural Resources)
विज्ञान कक्षा 9

प्रकृति में उपलब्ध प्रचुर मात्रा में मानव की मूल आवश्यकताओं की पूर्ति करनेवाले उपयोगी पदार्थ प्राकृतिक संसाधन कहलाते हैं।

उदाहरण - वायु, जल, स्थल, ऊर्जा, खनिज, पेट्रोलियम आदि प्राकृतिक संसाधन है।

प्राकृतिक संसाधन के प्रकार

(1) नवीकरणीय संसाधन

वे संसाधान जो लगातार उपयोग होने पर पुनः स्वतः उत्पन्न हो जाते हैं। वायु, सौर ऊर्जा, जल और वन नवीकरणीय संसाधन हैं।

(2) अनवीकरणीय संसाधन

वे संसाधान जो एक बार समाप्त हो जाने पर पुनः जल्दी उत्पन्न नहीं होते हैं। जैसे - कोयला और पेट्रोलियम

राजेश कुमार सिंह, कैमूर

Topic

वायु (Air)

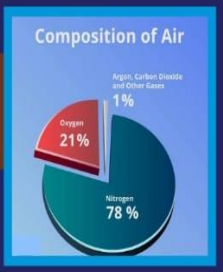

वायु विभिन्न गैसों का मिश्रण है जिसमें लगभग 78% नाइट्रोजन और 21% ऑक्सीजन उपस्थित रहता है। इसके अतिरिक्त वायु में कार्बन डाइऑक्साइड, जलवाष्प, अक्रिय गैस भी पाए जाते हैं।

समुंद्र तल से 7 किलोमीटर तक वायु में पर्याप्त ऑक्सीजन मौजूद है जो सभी जीवों के लिए आवश्यक है।

वायु की उपयोगिता

श्वसन के लिए

पौधों के भोजन के लिए - प्रकाश संश्लेषण

वायु द्वारा ताप का नियंत्रण - हरित गृह प्रभाव

ईंधन के जलने में

ToB बालमन कविता

फरवरी 2024

हेलमेट

ज्ञान की बात नहीं यह कोई
अनुभव तुम्हें सुनाती हूं,
जीवन की रक्षा हेतु
एक सरल उपाय बताती हूं ।

दो पहिए वाहन जो सुगम है
खूब प्रयोग हम करते हैं ,
पर उसके परम नियमो का
मान नहीं हम रखते हैं ।

यातायात का नियम तो है ही ।
यह एक सुरक्षा चक्र भी है ,
इस हेलमेट के कारण ही
बड़ी दुर्घटनाओं का अंत भी है।

' हेलमेट' ही वह उपयुक्त यंत्र है
जिससे जीवन की रक्षा होती है,
हेलमेट के कारण सबके
सिर की रक्षा होती है।

गलती करके मैंने सीखा
अब मैं सबको सिखलाऊंगी।
हेलमेट से है बड़ी सुरक्षा
यह संदेश सुनाऊंगी।

प्यारे बच्चों और मेरे साथी
घर-घर संदेश फैलाना है ,
सड़क सुरक्षा के नियमों को,
जन-जन तक पहुंचना है।

खुशबू कुमारी
(शिक्षिका)
UMS दुघरा, भभुआ,
कैमूर

ToB बालमन कविता

फरवरी 2024

प्यारा अपना देश

प्यारा अपना देश
हिमालय सा उज्ज्वल भाल
लहराते तिरंगे की शान
समीर से आती चंदन सी सुवास
है प्यारा अपना देश

उत्तर से दक्षिण तक
कोटि कोटि बोली भाषा
रंग बिरंगे परिधानों से सजा
प्यारा अपना देश

सैनिक करें देश की रक्षा
कृषक संभालें खाद्य सुरक्षा
उद्योगों से स्वरोजगार से
विकास की राह चला
प्यारा अपना देश।

चंदना दत्त (शिक्षिका)
रांटी , मधुबनी
बिहार

ToB बालमंच भाग 1

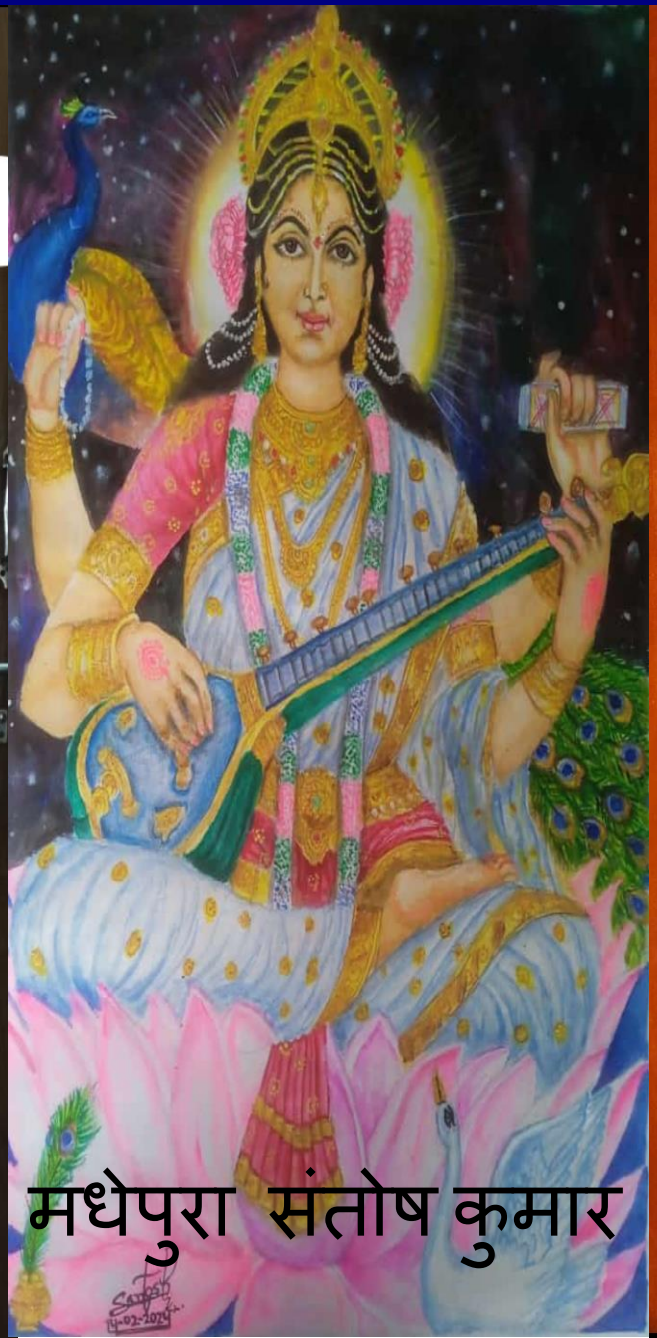

ToB बालमंच भाग 2

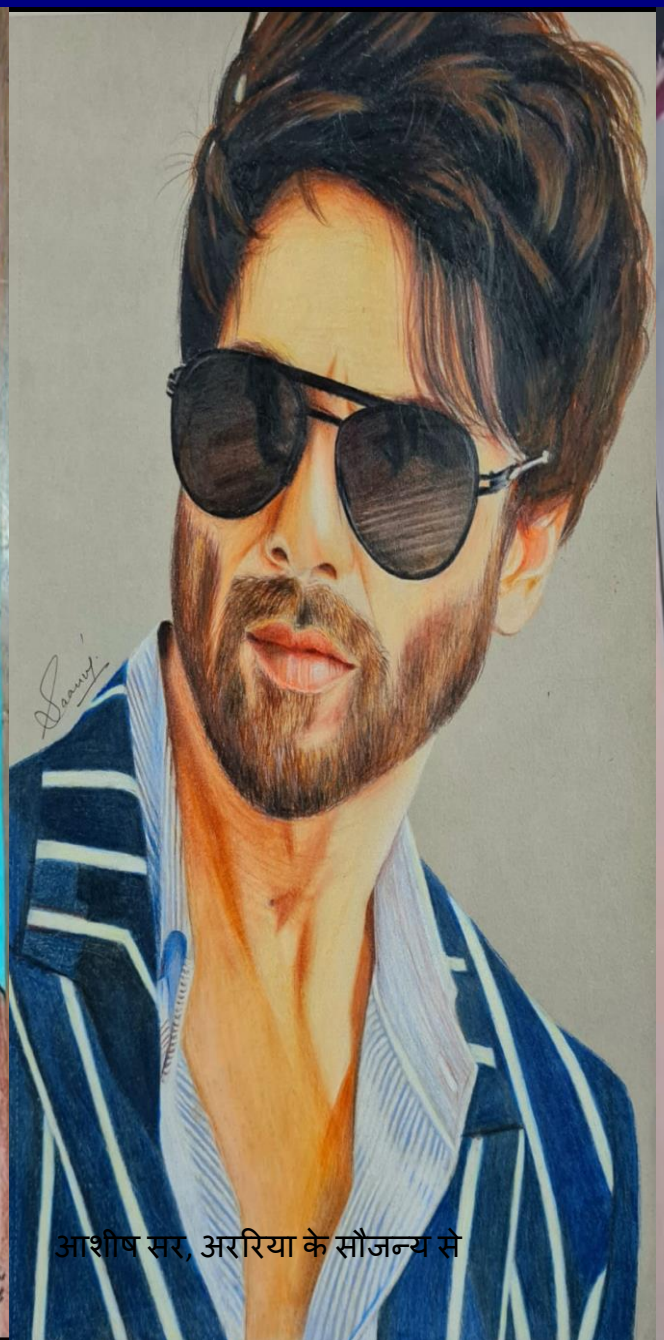

आशीष सर, अररिया के सौजन्य से

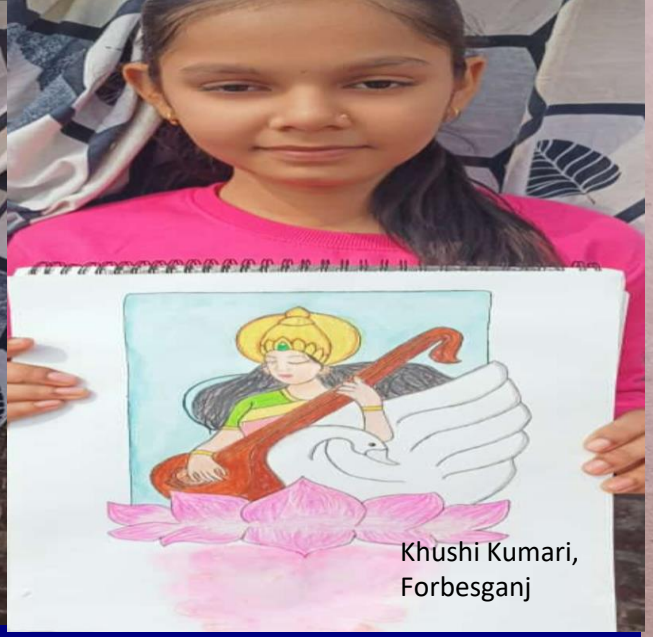
Khushi Kumari,
Forbesganj

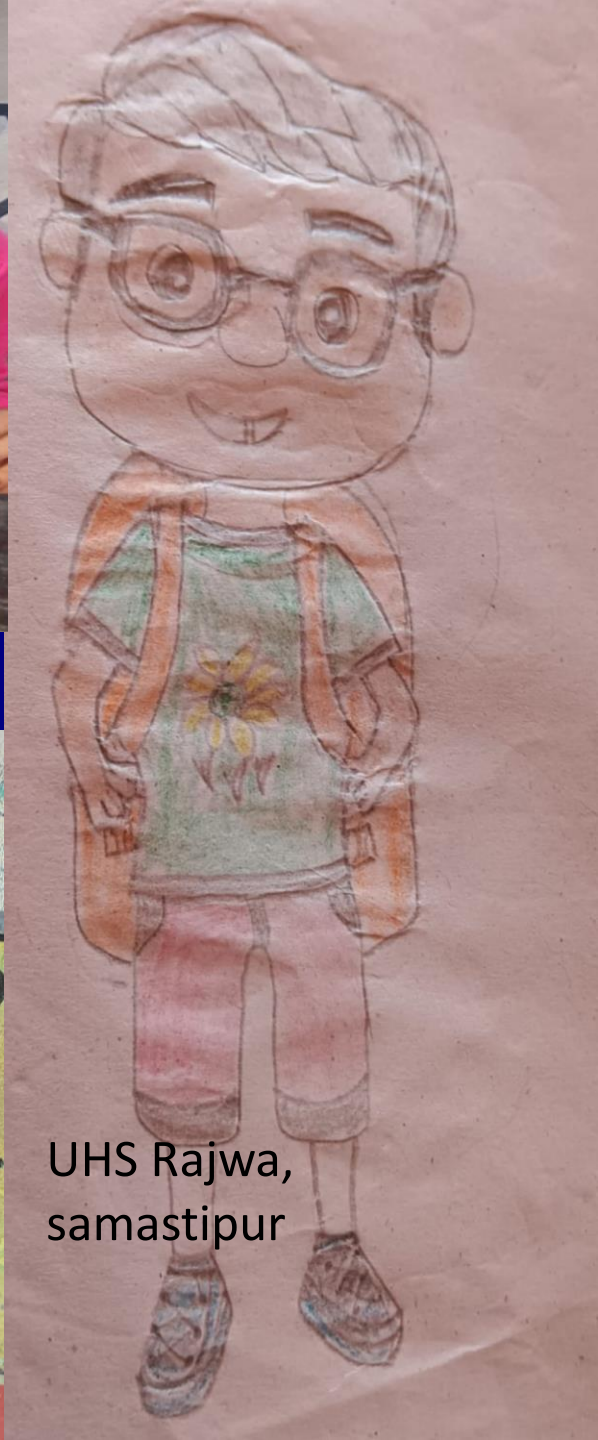
UHS Rajwa,
samastipur

ToB बालमंच भाग 3

फरहा वर्ग 3
उ0 म0 वि0 दोगच्छी

महक परवीन वर्ग 3
उ0 म0 वि0 दोगच्छी

आइशा
वर्ग -3
उ0 म0 वि0 दोगच्छी

ToB बालमन शिक्षण अधिगम सामग्री (फरवरी 2024)

*** TLM का नाम और विवरण:-** Math Learning Device. **यह TLM जूता के डिब्बा से बनाया गया है,** जिसके सामने दो बड़े विन्डो में 5 - 5 पहिये लगे हैं। पहियों पर आवश्यकतानुसार 0 से 9 तक की संख्याएं तथा कुछ पर जोड़, घटाव, गुणा एवं भाग का चिन्ह बनाया गया है। दोनों विन्डो के बीच = का चिन्ह अंकित किया गया है।

*** वर्ग कक्ष/वर्ग कक्षों का विवरण जिसके लिए TLM उपयुक्त है:-** कक्षा 1, 2 एवं 3

*** अधिगम प्रतिफल का विवरण जिससे TLM संबंधित है:-** इस TLM के अधिगम प्रतिफल निम्नांकित हैं-

1. बच्चे 0 से 9 तक की संख्याओं को बताते हैं।
2. बच्चे एक या दो अंकों की संख्याओं का जोड़ एवं घटाव बनाते हैं।
3. बच्चे एक या दो अंकों वाली संख्याओं का गुणा एवं भाग बनाते हैं।

*** TLM को इस्तेमाल करने के तरीके:-** TLM के बाएं साईड में लगे पहिए को घुमाकर कोई संख्या बनाकर बीच वाले पहिए को घमाकर जोड, घटाव, गुणा या भाग कोई चिन्ह लाकर बच्चों से करवाया जाता है तथा दाहिने वाले विन्डो में लगे पहिए से उत्तर बनाया जाता है।

*** TLM के लिए आवश्यक सामग्री:-** डब्बा,कुट का टुकड़ा आदि।

*** अन्य महत्वपूर्ण जानकारी जो आवश्यक हो:-** कुछ विशेष नहीं।

धन्यवाद।

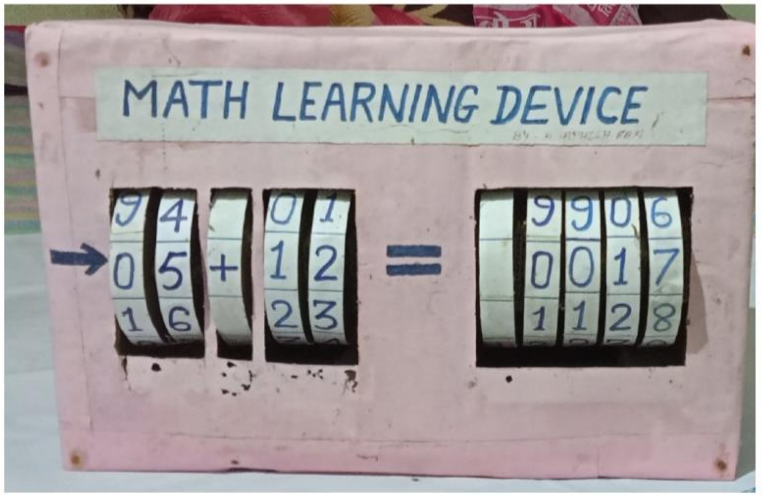

TLM। निर्माणकर्ता

नाम:- अवधेश राम
विद्यालय का नाम:- उत्क्रमित मध्य विद्यालय बहुआरा
प्रखंड:- भभुआ
जिला:- कैमूर
whatsapp no. :- 8581943379
email id:- awadheshram54@gmail.com

कर्पूरी ठाकुर

जन्म- 24 जनवरी 1924

मृत्यु- 17 फरवरी 1988

Madhu priya

/teachersofbihar

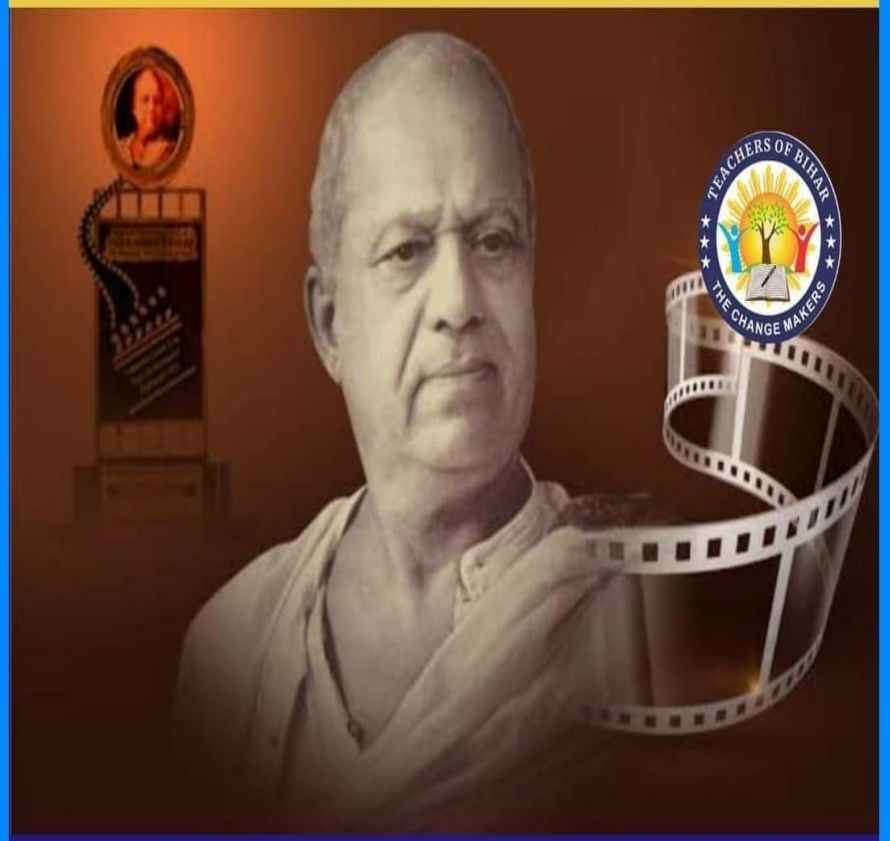

प्रथम भारतीय चलचित्र बनाने का असंभव कार्य करनेवाले, पर्दे पर सजीव रचनात्मकता के प्रथम सृजनकर्ता, भारतीय सिनेमा के जनक

दादा साहेब फाल्के

की पुण्यतिथि पर कोटि-कोटि नमन।

जन्म- 30 अप्रैल 1870 मृत्यु-16 फरवरी 1944

मधु प्रिया

/teachersofbihar

फोटो ऑफ द मंथ भाग 1

UMS दुलहरा, चैनपुर,कैमूर

प्राथमिक विद्यालय फुलवारी शरीफ, पटना

UHS सैथा, भभुआ, कैमूर

फोटो ऑफ द मंथ भाग 2

UHS सलथुआ, कुदरा

उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा, भभुआ, कैमूर

फोटो ऑफ द मंथ भाग 3

UMS अर्रा, मोहनियां

प्राथमिक विद्यालय खनेठी, रामगढ़, कैमूर

उर्दू प्राथमिक विद्यालय करवंदीया, चांद, कैमूर

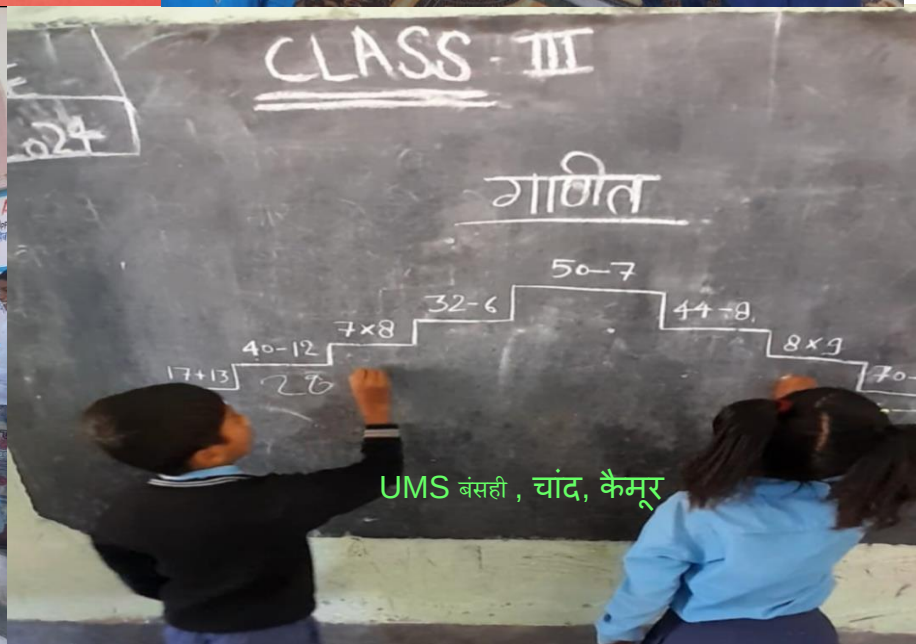

UMS बंसही , चांद, कैमूर

फोटो ऑफ द मंथ भाग 4

प्रेषक:-प्रधानाचार्य,डॉ संजय कुमार सिंह,उत्क्रमित उच्च माध्यमिक +2 विद्यालय बैजनाथ,रामगढ,कैमूर।

UHS सैंथा,भभुआ, कैमूर

फोटो ऑफ द मंथ भाग 5

P.s.Bhewar,chand, kaimur

UMS दुघरा भभुआ

UHS कोटा, नुआंव

उर्दू प्राथमिक विद्यालय करवंदीया, चांद, कैमूर

मध्य विद्यालय, रांटी
मधुबनी

शिक्षा शब्दकोश

आख्यान

आख्यान एक कहानी या वृत्तांत है जो मौखिक या लिखित रूप से सुनाया जाता है; इसलिए, एक कथात्मक निबंध एक निबंध है जो एक व्यक्तिगत अनुभव के बारे में एक कहानी बताता है और लेखक द्वारा सुनाया जाता है। कहानी साझा की गई घटनाओं और विवरणों के माध्यम से एक उद्देश्य को प्रकट करती है।

दिवस विशेष

27 फरवरी

मधु प्रिया

चंद्रशेखर आजाद शहीद दिवस 27 फरवरी

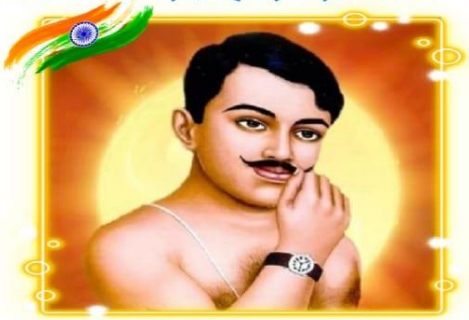

स्वतंत्रता संग्राम के महानायक चंद्रशेखर आजाद का जन्म 23 जुलाई, 1906 को मध्यप्रदेश के झाबुआ जिले के भाबरा नामक स्थान पर हुआ। उनका जन्मस्थान भाबरा अब 'आजादनगर' के रूप में जाना जाता है। उनके पिता का नाम पंडित सीताराम तिवारी एवं माता का नाम जगदानी देवी था। उनके पिता ईमानदार, स्वाभिमानी, साहसी और वचन के पक्के थे। यही गुण चंद्रशेखर को अपने पिता से विरासत में मिले थे।।रामप्रसाद बिस्मिल के नेतृत्व में आजाद ने काकोरी षड्यंत्र (1925) में सक्रिय भाग लिया और पुलिस की आंखों में धूल झोंककर फरार हो गए। 17 दिसंबर, 1928 को चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह और राजगुरु ने शाम के समय लाहौर में पुलिस अधीक्षक के दफ्तर को घेर लिया और ज्यों ही जे.पी. साण्डर्स अपने अंगरक्षक के साथ मोटर साइकिल पर बैठकर निकले तो राजगुरु ने पहली गोली दाग दी, जो साण्डर्स के माथे पर लग गई वह मोटरसाइकिल से नीचे गिर पड़ा। फिर भगत सिंह ने आगे बढ़कर 4-6 गोलियां दाग कर उसे बिल्कुल ठंडा कर दिया। जब साण्डर्स के अंगरक्षक ने उनका पीछा किया, तो चंद्रशेखर आजाद ने अपनी गोली से उसे भी समाप्त कर दिया।इतना ना ही नहीं लाहौर में जगह-जगह परचे चिपका दिए गए, जिन पर लिखा था- लाला लाजपतराय की मृत्यु का बदला ले लिया गया है। उनके इस कदम को समस्त भारत के क्रांतिकारियों खूब सराहा गया। अलफ्रेड पार्क, इलाहाबाद में 1931 में उन्होंने रूस की बोल्शेविक क्रांति की तर्ज पर समाजवादी क्रांति का आह्वान किया। उन्होंने संकल्प किया था कि वे न कभी पकड़े जाएंगे और न ब्रिटिश सरकार उन्हें फांसी दे सकेगी। इसी संकल्प को पूरा करने के लिए उन्होंने 27 फरवरी, 1931 को इसी पार्क में स्वयं को गोली मारकर मातृभूमि के लिए प्राणों की आहुति दे दी। ऐसे वीर क्रांतिकारी, लोकप्रिय चंद्रशेखर आजाद के अमूल्य योगदान को भारतवासी कभी भी भूला नहीं सकते।

पुण्यतिथि विशेष 28 फरवरी

राकेश कुमार

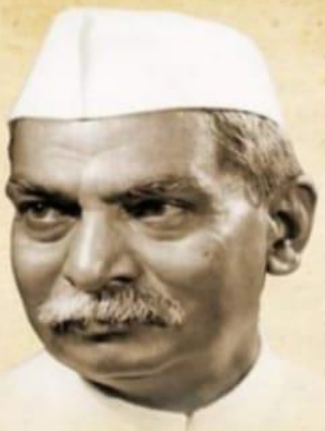

देश के प्रथम राष्ट्रपति
भारत रत्न

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जी

की पुण्यतिथि पर विनम्र अभिवादन

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद *Dr. Rajendra Prasad*, जन्म- 3 दिसम्बर, 1884, जीरादेयू, बिहार; मृत्यु- 28 फ़रवरी, 1963, सदाकत आश्रम, पटना) भारत के प्रथम राष्ट्रपति थे। राजेन्द्र प्रसाद बेहद प्रतिभाशाली और विद्वान् व्यक्ति थे। राजेन्द्र प्रसाद, भारत के एकमात्र राष्ट्रपति थे जिन्होंने दो कार्यकालों तक राष्ट्रपति पद पर कार्य किया।

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस विशेष

26 फरवरी

मधु प्रिया

विनोद दामोदर सावरकर स्मृति दिवस 26 फरवरी

विनोद दामोदर सावरकर का जन्म 28 मई 1883 को नासिक के निकट भागपुर में हुआ था। एवम इनकी मृत्यु 26 फरवरी 1966 में हुई। भारत के महान क्रांतिकारी, स्वतंत्रता सेनानी, समाजसुधारक, इतिहासकार, राष्ट्रवादी नेता तथा विचारक थे। सावरकर भारत के पहले व्यक्ति थे जिन्होंने ब्रिटिश साम्राज्य के केन्द्र लन्दन में उसके विरुद्ध क्रांतिकारी आन्दोलन संगठित किया। वे भारत के पहले व्यक्ति थे जिन्होंने सन् 1905 के बंग-भंग के बाद सन् 1906 में 'स्वदेशी' का नारा दिया और विदेशी कपड़ों की होली जलाई। वे भारत के पहले व्यक्ति थे जिन्हें अपने विचारों के कारण बैरिस्टर की डिग्री खोनी पड़ी।वे पहले भारतीय थे जिन्होंने 'पूर्ण स्वतन्त्रता' की मांग की। वे भारत के पहले व्यक्ति थे जिन्होंने सन् 1857 की लड़ाई को 'भारत का प्रथम स्वाधीनता संग्राम' बताते हुए 1907 में लगभग एक हज़ार पृष्ठों का इतिहास लिखा। वे भारत के पहले और दुनिया के एकमात्र लेखक थे जिनकी पुस्तक को प्रकाशित होने के पहले ही ब्रिटिश साम्राज्य की सरकारों ने प्रतिबन्धित कर दिया था। वे दुनिया के पहले राजनीतिक कैदी थे जिनका मामला हेग के अन्तरराष्ट्रीय न्यायालय में चला था।सावरकर ने अपनी मृत्यु से दो साल पहले 1964 में 'आत्महत्या या आत्मसमर्पण' नाम का एक लेख लिखा था। इस लेख में उन्होंने अपनी इच्छा मृत्यु के समर्थन को स्पष्ट किया था। इसके बारे में उनका कहना था कि आत्महत्या और आत्म-त्याग के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर होता है। इसके पीछे सावरकर का तर्क था कि एक निराश इंसान आत्महत्या से अपना जीवन समाप्त करता है । लेकिन जब किसी के जीवन का मिशन पूरा हो चुका हो और शरीर इतना कमजोर हो चुका हो कि जीना असंभव हो तो जीवन का अंत करने को स्व बलिदान कहा जाना चाहिए।आज के दिन ही बिनोद सावरकर को स्मृति दिवस के रूप में मना कर इनके विचारों को हम सब जान पाते है।

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस विशेष

29 फरवरी

मधु प्रिया

मोरारजी देसाई का जन्म 29 फरवरी

मोरारजी देसाई का जन्म 29 फरवरी 1896 को गुजरात के भदेली नामक स्थान पर हुआ था। उनका संबंध एक ब्राह्मण परिवार से था। उनके पिता रणछोड़जी देसाई भावनगर (सौराष्ट्र) में एक स्कूल अध्यापक थे। मोरारजी देसाई की शिक्षा-दीक्षा मुंबई के एलफिंस्टन कॉलेज में हुई जो उस समय काफ़ी महंगा और खर्चीला माना जाता था। मुंबई में मोरारजी देसाई नि:शुल्क आवास गृह में रहे जो गोकुलदास तेजपाल के नाम से प्रसिद्ध था। एक समय में वहाँ 40 शिक्षार्थी रह सकते थे। विद्यार्थी जीवन में मोरारजी देसाई औसत बुद्धि के विवेकशील छात्र थे। इन्हें कॉलेज की वाद-विवाद टीम का सचिव भी बनाया गया था लेकिन स्वयं मोरारजी ने मुश्किल से ही किसी वाद-विवाद प्रतियोगिता में हिस्सा लिया होगा। मोरारजी देसाई ने अपने कॉलेज जीवन में ही महात्मा गाँधी, बाल गंगाधर तिलक और अन्य कांग्रेसी नेताओं के संभाषणों को सुना था। इन्हें भारत के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न एवं पाकिस्तान के सर्वोच्च सम्मान निशान-ए-पाकिस्तान से सम्मानित किया गया था।23 मार्च 1977 को 81 वर्ष की अवस्था में मोरारजी देसाई ने भारतीय प्रधानमंत्री का दायित्व ग्रहण किया।
10 अप्रैल 1995को इनकी मृत्यु हो गई।

Thank You

अगर आपको पत्रिका अच्छी लगी हो तो कृपया इसे अधिक से अधिक शेयर करे।

यदि आपके कोई सुझाव हो तो 9431680675 पर संपर्क कर सकते है।

www.teachersofbihar.org